साल 8 बेमिसाल
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

मासिक कुमावत इंडिया

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com

Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-8 | अंक-2 | सितम्बर 2025 | पृष्ठ-28 | मूल्य : ₹ 20.00

शुभ धनतेरस

शुभ गोवर्धन पूजा

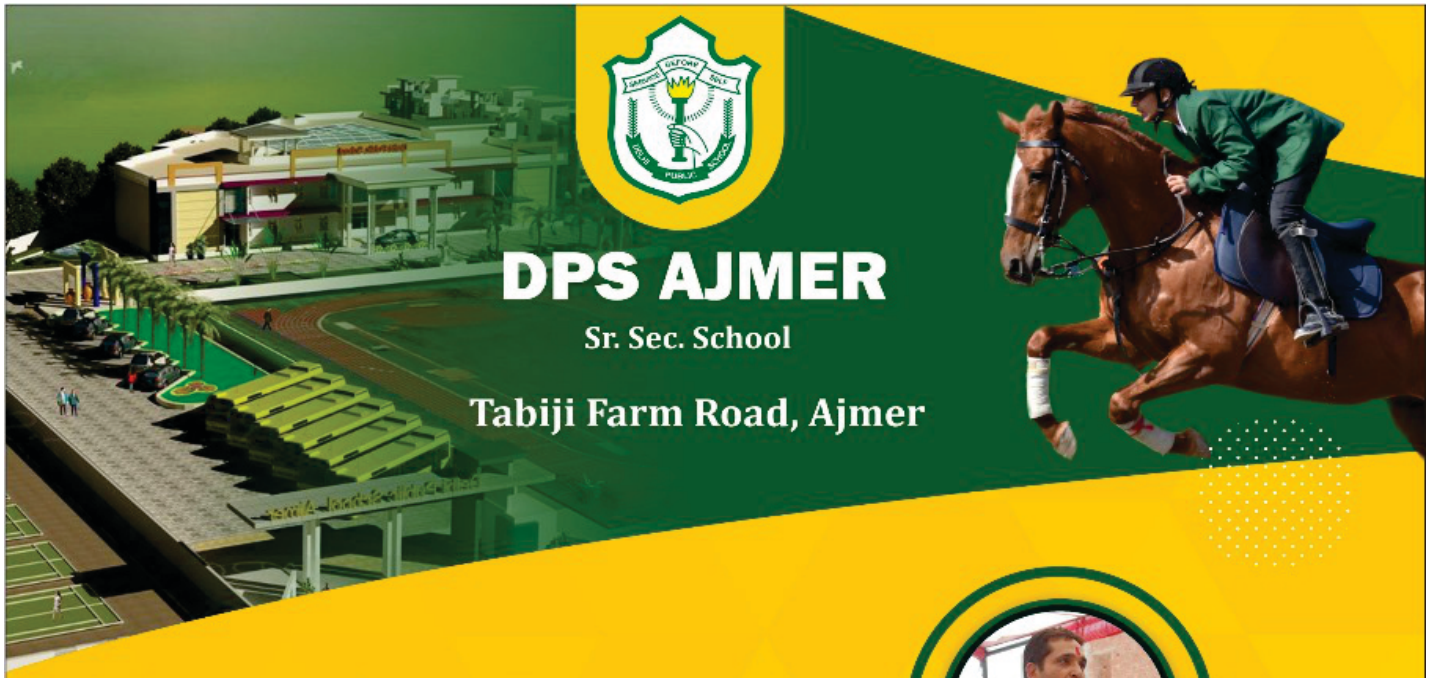

DPS AJMER

Sr. Sec. School

Tabiji Farm Road, Ajmer

ESTABLISHING
The Right Environment

We believe in building a modern culture using both traditional & next-generation tools. So, your child's natural talents can blossom.

SHASHI PAL KUMAWAT
Chairman

Our Activities

Archery & International
Level Shooting Range

Swimming Pool
"DPS Wave Pulse"

Horse Riding Club
Won Laurels at the National Level

Skating Rink

Karate Club
We have won Karate Championship at District, State & National Level.

Art & Craft

Tabiji Farm Road, Near D.D. Puram, Beawar Road, Ajmer

Web: www.dpsajmer.in E-Mail: info@dpsajmer.in

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

संरक्षक	:	जयकिशन सोकिल	मो. 9829125428
अध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	मो. 9887440666
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	मो. 9414074376
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	मो. 9414810584
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	मो. 9549656438
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	मो. 9829056063
		रमेश कुमावत (गेदर)	मो. 9414554322
		चेतन बालोदिया	मो. 9414052736
		मोहन लाल कुमावत	मो. 9887557425
मुख्य सलाहकार	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	मो. 9414994006
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	मो. 9414263429

सम्पादक मण्डल : रमेश चन्द कुमावत (गैदर) सम्पादक -9414554322, **सह-सम्पादक :** रमेश तोंदवाल 9460870125 एवं प्रिया मारवाल 9408093778 तथा मनीष कुमावत 9660702083, रवि कुमावत 9829600411, लक्ष्मीनारायण सिरस्वा 9829791846, उर्वशी बालोदिया 9351680888, **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, अशोक कुमावत -9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया, मुकेश कारगवाल 9828606056 व राजसिंह बधानिया 9414238799 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629 **विधि सलाहकार :** राकेश कुमावत एडवोकेट 9829152561 विशेष आमंत्रित सदस्य : मनोज सिरस्वा।

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397 दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580 सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444 वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299 मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188 जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301 कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402 सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657 उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** जगदीश मामोडिया **मो. 9024805687 ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493,** रवि बेडवाल **मो. 8290303003 बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957 सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812 इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645 किशनगढ़ :** प्रभुदयाल तुनगरिया **9680931428**

प्रोसेसिंग व मुद्रक : राज ब्लॉक्स, 22 गोदाम, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-650

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर रसीद प्रेषित करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित, सम्पादक रमेश चंद कुमावत।

सम्पादकीय

भारत एक ऐसा देश है जहाँ त्योहार केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं होते, बल्कि वे जीवन के गहरे संदेश और मूल्यों को भी प्रतिपादित करते हैं। नवरात्रि, दशहरा और दीपावली हमारे मुख्य त्योहार हैं। जो शक्ति, सत्य और प्रकाश के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं।

नवरात्रि नौ दिनों तक चलने वाला पर्व है, जिसमें माँ दुर्गा के नौ रूपों की आराधना की जाती है। यह पर्व स्त्रीशक्ति के सम्मान और आत्मशुद्धि का प्रतीक है। व्रत, ध्यान और भक्ति के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर की शक्ति को पहचानने का प्रयास करता है। आज के समय में जब समाज में महिलाओं की भूमिका को लेकर चर्चा हो रही है, नवरात्रि हमें नारीशक्ति का सम्मान करना सिखाता है। इस पर्व पर भारत में अनेक स्थानों पर गरबा का आयोजन होता है जो हमारी रंग-बिरंगी संस्कृति का परिचायक है।

दशहरा, जिसे विजयादशमी भी कहा जाता है, बुराई पर अच्छाई की विजय का पर्व है। यह वह दिन है जब भगवान राम ने रावण का वध किया था। यह पर्व केवल पौराणिक कथा नहीं, बल्कि एक प्रतीक है उस संघर्ष का जो हर व्यक्ति अपने भीतर के रावण - क्रोध, अहंकार, और लोभ के विरुद्ध करता है।

नवरात्रा के बाद लोग घरों में साफ-सफाई करते हैं और रंग-रोगन करके घरों को चमकाते हैं। इससे घरों में मलीनता तथा नकारात्मकता खत्म होती है। मान्यता है कि लक्ष्मी जी का वास वहीं होता है जहां स्वच्छता हो।

इसके कुछ सप्ताह बाद आता है दीपावली, जो अंधकार पर प्रकाश की विजय का उत्सव है। यह न केवल घरों को दीपों से रोशन करता है, बल्कि हमारे मन और समाज को भी सकारात्मकता की ऊर्जा से भरने की प्रेरणा देता है।

हमें आतिशबाजी और **पटाखे पर्यावरण अनुकूल ग्रीन पटाखे ही लाने चाहिये जो कम आवाज के हों।** इससे बुजुर्गों, जानवरों और छोटे बच्चों को तेज आवाज के कारण परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। साथ ही **पटाखों के धूंआ और पॉल्यूशन से दमा रोगी परेशान न हों।** बच्चों के द्वारा पटाखे चलाए जाते हो तो बड़े वहां जरूर रहें। आजकल भारत के बाहर नेपाल, श्रीलंका, म्यांमार, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन आदि में भी दीपावली का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है।

इन तीनों त्योहारों की श्रृंखला हमें याद दिलाती है कि जीवन में शक्ति, सत्य और प्रकाश के मार्ग पर चलकर ही सच्चा विकास संभव है। हमें चाहिए कि हम इन पर्वों की आत्मा को समझें और उसे अपने आचरण में उतारें। यही इन त्योहारों पर हमारी सच्ची पूजा होगी।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार की ओर से आप सभी को **नवरात्र, विजयादशमी** तथा **दीपावली** की **हार्दिक शुभकामनाएं।**

- रमेश कुमावत (गैदर)

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.in पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय	3
ब्यावर के आर पी कुमावत मनीषी सम्मान 2025 से सम्मानित	5
शिवजीराम महामंत्री व सुमन मंत्री मनोनीत	5
लल्लू लाल कुमावत चाकसू कांग्रेस के अध्यक्ष मनोनीत	5
अमर चंद मंडावरा, ब्लाक कांग्रेस वैशाली नगर के संगठन सचिव मनोनीत	5
मुकेश वर्मा विशेष आमन्त्रित सदस्य मनोनीत	5
दक्षिता ने रचा इतिहास, बनी राजस्थान सीनियर स्टेट शतरंज चैम्पियन	6
जितेंद्र कुमावत का RPSC की परीक्षा में प्रथम स्थान	6
राज्य ओबीसी कांग्रेस सलाहकार परिषद में समाज बंधुओं का मनोनयन	6
तुषार मंडावरा विजयी	6
सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा की बैठक और सामूहिक गोठ का आयोजन	7
राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति का प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न	7
कुमावत को संस्कृत में डाक्टरेट की उपाधि	7
भामाशाह के सहयोग से पांडरू गांव में बनाई अत्याधुनिक लाइब्रेरी	8
गजानंद कुमावत के जन्मदिन पर 461 यूनिट रक्तदान	8
हेमलता ने राजस्थान का दमोह में बढ़ाया मान	8
फ्लाइट लेफ्टिनेंट नंदलाल को किया सम्मानित	8
33वां मास्टर भौंरीलाल वर्मा स्मृति व्याख्यान सम्पन्न	9
नाबालिक का अपहरण, पुलिस की निष्क्रियता, धरने पर समाज	9
पाली में बंद कराया मृत्युभोज	9
दो बेटों की अर्थियां देख पिता ने तोड़ा दम	9
रिश्ता कुमावत परिचय सम्मेलन समिति द्वारा लेमन टी का आयोजन	10
कुमावत समाज की 111 प्रतिभाएं पुरस्कृत	10
श्री नंदलाल कुमावत को वायु सेना से प्रशंसा पत्र	10
दीपोत्सव पर्व- दीपावली 2025	11
सुहाग की रक्षार्थ करवा चौथ व्रत	12
तप और करुणा से भरे हैं, महिलाओं के व्रत-त्योहार	12
महात्मा गांधी की प्रासंगिकता	13
ढूंढिये वजह मुस्कुराहट की-9	13
ज्योति पर्व-दीपावली	14
दशहरा : आत्मविजय का शाश्वत दर्शन	15
मधुमेह में आहार व्यवस्था	16
चंद्रप्रकाश कुमावत बने सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष	16
बेंगलुरु कुमावत समाज की नवीन कार्यकारिणी गठित	16
दशरथ मांझी की कहानी	17
मुख्यमंत्री एकल नारी सम्मान पेंशन योजना	17
गोवर्धन पर्व : भक्ति और प्रकृति का अनुपम संगम	18
विश्व वास्तुकला दिवस	19
विशिष्ट संरक्षक सूची व श्रद्धांजलि	20
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	21
पत्रिका नहीं मिलने पर सम्पर्क करें	22
श्रद्धेय अकिंचन जी ने कैंचीधाम में हनुमंत कथा की	23

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म के 75 वर्ष पूर्ण होने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

LAM

लक्ष्मी आभूषण मन्दिर

सोने, चाँदी, कुन्दन एवं डायमण्ड के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

विरेन्द्र सिंह 9829079497

सुरेन्द्र सिंह 9829051351

रनवीर सिंह 6360199010

0141 - 2705511

0141 - 4019497

SB-107, यूनिवर्सिटी मार्ग, बापू नगर, जयपुर

ब्यावर के आर पी कुमावत मनीषी सम्मान 2025 से सम्मानित

अजमेर के तोपदडा स्कूल में संस्कृत के शिक्षक, समर्पित भाषाविद, साहित्यकार तथा सामाजिक सरोकारों की प्रतिमूर्ति श्रद्धेय आचार्य श्री हर्ष जोशी शास्त्री जी की 100वीं जन्म जयन्ती पर आयोजित गोष्ठी में श्री राम प्रसाद कुमावत निरन्तर दैनिक, ब्यावर को मनीषी सम्मान 2025 से नवाजा गया। कार्यक्रम में पद्मश्री सीडी देवल, श्रीबख्शी सिंह, श्री नवल किशोर भाभडा, रंगकर्मी श्री गोपाल आचार्य, ग़ज़ल के पुरोधा व सोशल मीडिया के प्रखर ब्लाग राइटर तथा वरिष्ठ पत्रकार श्री सुरेन्द्र चतुर्वेदी, श्री देवशरण मेघवंशी, श्री गोविंद भारद्वाज, श्रीमती प्रतिभा जोशी,श्रीमती पूनम पाण्डे सहित जोशी परिवार के सदस्य, गणमान्य आदि मौजूद रहे।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्री राम प्रसाद कुमावत को बहुत-बहुत बधाई।

भाजपा जयपुर जिला देहात दक्षिण

शिवजीराम महामंत्री व सुमन मंत्री मनोनीत

श्री शिवजी राम कुमावत व **श्रीमती सुमन कुमावत** की लम्बे समय से संगठन के प्रति समर्पण, निष्ठा और सक्रियता का ही परिणाम है कि पार्टी ने इनको क्रमशः महामंत्री व मंत्री जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

इनके अनुभव और नेतृत्व से निश्चित ही संगठन को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से दोनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

श्री प्रभुलाल कुमावत व्याख्याता भौतिक विज्ञान राउमावि राजपुरा (राज.) को जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई।

अमर चंद मंडावरा, ब्लाक कांग्रेस वैशाली नगर के संगठन सचिव मनोनीत

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार श्री ललित तुनवाल, संगठन सचिव ने श्री अमर चंद मंडावरा को ब्लाक कांग्रेस वैशाली नगर, जयपुर का संगठन सचिव मनोनीत किया है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्री अमरचंद मंडावरा को हार्दिक बधाई।

भारतीय जनता पार्टी जयपुर जिला देहात दक्षिण की कार्यकारिणी में **श्री ओम कुमावत** को सोशल मीडिया प्रभारी पद पर नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

आपका अनुभव व सक्रियता पार्टी की विचारधारा एवं जनसंदेश को डिजिटल मंच पर और अधिक प्रभावी बनाएगी। बहुत-बहुत बधाई।

लल्लू लाल कुमावत चाकसू कांग्रेस के अध्यक्ष मनोनीत

श्री लल्लू लाल कुमावत को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार श्री ललित तुनवाल, संगठन सचिव ने चाकसू कांग्रेस के अध्यक्ष मनोनीत कर कार्यकारणी का गठन किया है।

श्री लल्लू लाल कुमावत को चाकसू कांग्रेस का अध्यक्ष मनोनीत होने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

राज्य ओबीसी कांग्रेस सलाहकार परिषद

मुकेश वर्मा विशेष आमन्त्रित सदस्य मनोनीत

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा राजस्थान ओबीसी विभाग में ''राज्य ओबीसी कांग्रेस सलाहकार परिषद'' में विशेष आमन्त्रित सदस्य के रूप में पूर्व अध्यक्ष, राजस्थान राज्य स्थापत्य कला बोर्ड एवं पीसीसी महासचिव श्री मुकेश वर्मा को मनोनीत किया गया है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्री मुकेश वर्मा को हार्दिक बधाई।

डॉक्टर आयुष कुमावत पुत्र श्री भागचंद कुमावत निवासी हिंगोनिया को चिकित्सा अधिकारी के पद पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, आकेली, मेड़तासिटी नागौर में कार्यभार ग्रहण करने पर बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

श्री तरुण कुमार कुमावत द्वारा अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश जोधपुर मेट्रोपोलिटन क्रम-4 का पदभार ग्रहण किया गया है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

दांतारामगढ़ के **डॉ. पवन कुमावत** पुत्र श्री हेमन्त कुमावत का चिकित्सा अधिकारी एवं पीएचसी प्रभारी के रूप में चयन होने व श्रीगंगानगर में पदभार ग्रहण करने पर बधाई।

मोनिका कुमावत को 'शहरीकरण एवं विकास - जयपुर का एक व्यापक अध्ययन' (भूगोल विषय) में गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा से पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई।

दक्षिता ने रचा इतिहास, बनी राजस्थान सीनियर स्टेट शतरंज चैम्पियन

दक्षिता पुत्री श्री विनोद कुमावत उदयपुर की पुत्री ने इतिहास बनाकर राजस्थान सीनियर स्टेट शतरंज चैंपियन बनी राजस्थान की दूसरी महिला। उसने कम उम्र में इस मुकाम को हासिल किया है। कुमावत समाज की इस पुत्री को बहुत-बहुत बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं।

हनी कुमावत ने नीमराणा में चल रही तीन दिवसीय राज्य स्तरीय सीनियर तीरंदाज़ी प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल व दो ब्रोन्च मेडल जीते। इसके बाद राजस्थान विश्वविद्यालय इन्टरकॉलेज प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।

हनी कुमावत को बहुत-बहुत बधाई।

तुषार मंडावरा विजयी

17-18 अगस्त 2025 को भगवान परसुराम भवन, अलवर में Pencak silat Association द्वारा आयोजित Rajasthan State Pencak Silat Championship 2025 में तुषार मंडावरा (कुमावत) सुपुत्र श्री महेश्वर हेमलता मंडावरा ने अपना कुशल प्रदर्शन कर प्रथम स्थान पर विजयी होने एवं 'स्वर्ण पदक' से सम्मानित होने पर हार्दिक बधाई।

जितेंद्र कुमावत का RPSC की Assistant Professor (Mathematics) परीक्षा में प्रथम स्थान

जितेंद्र कुमावत पुत्र श्री प्रकाश कुमावत, हुक्का जी की ढाणी, दांता ने RPSC की Assistant Professor (Mathematics) परीक्षा में पूरे राजस्थान में प्रथम स्थान प्राप्त कर गाँव और समाज का नाम रोशन किया है।

ये नेट और जे आर एफ कर चुके है तथा गणित विषय में पी एच डी भी कर रहे है।

जितेन्द्र कुमावत को इस शानदार सफलता पर **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें।

राज्य ओबीसी कांग्रेस सलाहकार परिषद में समाज बंधुओं का मनोनयन

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा राजस्थान ओबीसी विभाग में ''राज्य ओबीसी कांग्रेस सलाहकार परिषद'' के सदस्य के रूप में सूरतगढ़ विधायक माननीय श्री डूंगरराम गेदर, कांग्रेस कमेटी के संगठनमंत्री श्री ललित तुनवाल, प्रदेश सचिव श्री सुरेन्द्र लाम्बा तथा जेतारण के श्री राजेश कुमावत को मनोनीत किए जाने पर **हार्दिक बधाई**।

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा की बैठक और सामूहिक गोठ का आयोजन

जयपुर स्थित जानकी पैराडाइज में सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारणी की मीटिंग, सामूहिक गोठ व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय महामंत्री रूप सिंह कुमावत ने बताया कि कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि वित्त आयोग अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने किया। इस दौरान पूर्व विधायक फुलेरा व राष्ट्रीय महामंत्री ओबीसी मोर्चा भाजपा निर्मल कुमावत मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामेश्वर बम्बोरिया ने की। इस अवसर पर अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि कुमावत समाज की जो भी मांगे हैं, उन्हें सरकार तक पहुंचाकर पूरा करवाएंगे। कार्यक्रम में संस्था के उद्देश्यों व प्रगति से अवगत कराया गया। पुष्कर अधिवेशन में पारदर्शिता से आय-व्यय का ब्यौरा कोषाध्यक्ष श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल ने रखा। निर्मल कुमावत ने कुमावत समाज के छात्रावास व सामुदायिक भवन के लिए भूमि आवंटित करवाने आदि में सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। महासभा के अध्यक्ष ने सामुदायिक भवन बनाने, छात्रावास भवन बनाने, सामाजिक कुरुतियों के उन्मूलन तथा आगामी जनगणना पर चर्चा करायी तथा ध्वनिमत से एजेण्डा बिन्दु पारित हुए। प्रतियोगी परीक्षाओं में बाहर से आने वाले प्रतिभागियों ने नि:शुल्क आवास पर जोर दिया। बम्बोरिया ने कहा कि सरकार द्वारा कराई जाने वाली जातिय जनगणना में कुमावत समाज का अलग कॉलम होना चाहिए। इसके लिए सभी जिला तहसील स्तर पर ज्ञापन दिया जाएगा। संस्था के हाल में हुए चुनावों में निर्वाचित हुए पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को मुख्य चुनाव अधिकारी रमेश गेदर ने प्रमाण-पत्र वितरित किये वहीं मनोनीत हुए पदाधिकारियों को अध्यक्ष रामेश्वर बम्बोरिया ने प्रमाण पत्र दिये। मंच का संचालन श्रीमती भारती तोंदवाल ने किया। मीटिंग के बाद शाम को सामूहिक गोठ तथा भजन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें हजारों लोगों ने आनन्द लिया। कार्यक्रम में राजस्थान के 15 जिलों तथा दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, गुजरात तथा दमन-दीव से भी समाजजनों ने भाग लिया। कार्यक्रम पूर्णत: सफल रहा।

राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति का प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न

राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति समिति (रजि.) बूंदी के द्वारा 07 सितम्बर 2025 को हरियाली रिसोर्ट बूंदी में, प्रदेश अध्यक्ष श्री घनश्याम जी साबलिया के संयोजन एवं मार्गदर्शन में तथा श्री रामबाबू जी खण्धारिया के नेतृत्व में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह कुशलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जयपुर डिस्कॉम के पूर्व Managing Director श्री राम निवास कुमावत रहे।

समिति के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री रतन जी कुमावत के उद्बोधन में समिति के सभी सदस्यों का मार्गदर्शन विशेषकर महिलाओं की उपस्थिति के बारे में बहुत ही सराहनीय रहा। सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डा. जयनारायण जूनवाल ने अपने उद्बोधन में शिक्षा कोष एवं लाइब्रेरी की स्थापना करने तथा आर्थिक दृष्टि से कमजोर विद्यार्थियों को नि:शुल्क पुस्तकें उपलब्ध कराने के लिए समाज के भामाशाह से डोनेट कराने में पूर्ण जिम्मेदारी के साथ सहयोग करने का वादा किया गया। इसी के साथ सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) की राष्ट्रीय शिक्षा मंत्री श्रीमती भारती तोंदवाल ने अपने उद्बोधन में समाज के प्रतिभावान बालक-बालिकाओं को हार्दिक बधाई देते हुये इनके अथक प्रयासों की सराहना की एवं इनके उज्ज्वल भविष्य की कामनाएँ की साथ ही महिलाओं को जाग्रत करते हुए समाज के द्वारा आयोजित होने वाले ऐसे कार्यक्रमों में उत्साह से अधिक संख्या में उपस्थित होने का अनुरोध किया।

कुमावत को संस्कृत में डाक्टरेट की उपाधि

शाहपुरा। स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल, शाहपुरा में संस्कृत के अध्यापक परमेश्वर प्रसाद कुमावत को संगम विश्वविद्यालय, भीलवाड़ा द्वारा संस्कृत भाषा में उनके विशिष्ट शोध कार्य के लिए पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। डॉ. रजनीश शर्मा के मार्गदर्शन में कुमावत ने पंडित सत्यनारायण शास्त्री के व्यक्तित्व, कृतित्व, शिक्षा, जीवन मूल्य, उनके रचित साहित्य की समग्र समीक्षा प्रस्तुत की। कुमावत ने इस शोध कार्य के माध्यम से पंडित सत्यनारायण शास्त्री के सम्पूर्ण व्यक्तित्व को प्रकाशित रूप दिया है। श्री परमेश्वर प्रसाद कुमावत को हार्दिक बधाई।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वालों को मिलेगा लाभ

भामाशाह के सहयोग से 20 लाख की लागत से पांडरू गांव में बनाई अत्याधुनिक लाइब्रेरी

आसींद उपखंड के पांडरू गांव में शिक्षा क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए मांगीलाल गुर्जर और **सवाईराम कुमावत** की स्मृति में उनके पुत्र जगदीश कुमावत और ईश्वर गुर्जर के सहयोग से करीब 20 लाख रुपए की लागत से 750 वर्ग फुट में अत्याधुनिक लाइब्रेरी तैयार की गई है। लाइब्रेरी का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आवश्यक संसाधन और पढ़ाई का अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना है। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पांडरू के पास इस लाइब्रेरी में सैंकड़ों स्टूडेंट्स पढ़ाई करते हैं।

लाइब्रेरी में बैठने की समुचित व्यवस्था, कंप्यूटर सेट, अनलिमिटेड वाई-फाई, सीसीटीवी कैमरे, एसी और अन्य आधुनिक सुविधाएं निशुल्क उपलब्ध कराई गई हैं। जगदीश कुमावत ने बताया कि लाइब्रेरी में एक व्यक्ति नियुक्त किया गया है जो साफ-सफाई और लाइब्रेरी आने वाले विद्यार्थियों की देखरेख करेगा। ईश्वर गुर्जर ने बताया कि गांव की बालिकाएं अक्सर बाहर पढ़ाई के लिए नहीं जा पाती थीं। इसी समस्या को देखते हुए यह लाइब्रेरी उनके पिता और जगदीश के पिता की स्मृति में बनवाई गई, ताकि गांव की बेटियां भी सुरक्षित और अच्छे माहौल में पढ़ाई कर सकें।

गजानंद कुमावत के जन्मदिन पर 461 यूनिट रक्तदान

रानोली। भाजपा नेता गजानंद कुमावत के जन्मदिन पर सोमवार को क्षेत्र में सेवा व सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम हुए। इस दौरान करनीपुरा में लगे शिविर में 461 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। वहीं रानोली की श्रीकृष्ण गोशाला में गायों को गुड़-चारा खिलाया गया। रानोली बस स्टैंड पर कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। त्रिलोकपुर स्टैंड पर अभिनंदन हुआ। गोरिया स्टैंड, रैवासा गोशाला सहित विभिन्न स्थानों पर मुकेश पारमुवाल व अन्य लोगों ने चारा-गुड़ वितरण किया। श्री बाबा बनापुरी गोशाला कोछोर में भी चारा-गुड़ खिलाकर गोसेवा की गई। जीणमाताजी सीएचसी परिसर में भी अभिनंदन हुआ। मोहनपुरा में स्वागत के साथ ही राव शेखाजी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। करनीकोट में करनी माता मंदिर पर पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया व राजपूत सभा दांतारामगढ़ व सर्वसमाज ने सामूहिक रूप से सम्मान किया। दांता गोशाला में गायों को गुड़-चारा खिलाया गया। गजानंद कुमावत ने आभार जताया। खाचरियावास में भैरोंसिंह शेखावत की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया। गोपीनाथ जी मंदिर, लक्ष्मीनाथ, खाटूश्यामजी मंदिर में आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में कमल सिखवाल, बाबूसिंह बाजौर, गोविंद सैनी, प्रभु सिंह, राजकुमार जोशी, सुरेश शर्मा, कैलाश कुमावत, करण सिंह आदि मौजूद रहे।

सीसीआरटी का राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर

हेमलता ने राजस्थान का दमोह में बढ़ाया मान

उदयपुर। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी), नई दिल्ली की ओर से ''प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में विद्यालयों की भूमिका'' विषय पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर दमोह (मध्यप्रदेश) में हुआ। इसमें 10 राज्यों के 65 शिक्षकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने अपने-अपने राज्यों की कला और संस्कृति को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से साझा किया। राजस्थान से उदयपुर की हेमलता कुमावत ने राजस्थानी संस्कृति, कला, प्राकृतिक धरोहर, किले, तीज-त्योहार और वीर सेनानियों की गौरवशाली झलक प्रस्तुत की। हेमलता राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, कुमावतों का गुड़ा, कड़िया, बड़गांव में नियुक्त हैं। विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को बच्चों के माध्यम से प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर संरक्षण के उपायों पर प्रशिक्षित किया। राजस्थान की टीम में हेमलता कुमावत के साथ जयपुर, हनुमानगढ़, सीकर, बारां और भीलवाड़ा के शिक्षक भी शामिल रहे।

फ्लाइट लेफ्टिनेंट नंदलाल को किया सम्मानित

कोठियां। वायुसेना स्टेशन जयपुर की ओर से गांव कोठियां निवासी फ्लाइट लेफ्टिनेंट (सेवानिवृत्त) नंदलाल कुमावत को विशेष सम्मान से नवाजा गया। भारतीय वायुसेना से सेवानिवृत्त होने के बावजूद उन्होंने हाल ही में संपन्न ऑपरेशन सिंदूर अभियान में अहम सहयोग दिया।

33वां मास्टर भौंरीलाल वर्मा स्मृति व्याख्यान सम्पन्न

14 सितम्बर, 2025 को मास्टर भौंरीलाल वर्मा चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा उनकी 111वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में ''शिक्षा एवं जागरूकता'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया। इस विषय पर **श्री जी.आर. कुमावत** (Indian Railway Service) ने अपना उद्‌बोधन दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा तो हम सभी प्राप्त कर रहे हैं पर शिक्षा समाज के जन-जन तक पहुंचे और जागरूक बनकर समाज का भला करे तब ही इसकी सार्थकता है।

समारोह के मुख्य अतिथि **श्री रविन्द्र भारती** शिक्षाविद् थे। श्री रविन्द्र भारती अखिल भारतीय उपाध्यक्ष संस्कार भारती, पूर्व सह-निदेशक भारत विद्या अध्ययन संकुल एवं प्रशासनिक सचिव, कुलपति, महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर पूर्व का. कुलसचिव जगद्‌गुरु रामानन्दाचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर रहे हैं। इन्होंने बताया कि वे मास्टर जी के सानिध्य में राजस्थान विश्वविद्यालय में कार्य किया तथा उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। आज वे जो कुछ हैं उसमें मास्टर जी का बहुत कुछ योगदान है। कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री रोहित कुमार MD, R Virat Welth, Jaipur थे, जिन्होंने समाज में जागरूकता की व्यवहारिकता बताई कि कैसे हम अपने लोगों को जागरूक कर लाभपहुंचा सकते हैं। समारोह में प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री रामजीलाल वर्मा ने पधारे हुए महानुभावों का आभार व्यक्त किया। मंच का संचालन श्री रविकांत वर्मा (मंत्री ट्रस्ट) द्वारा किया गया।

नाबालिक का अपहरण, पुलिस की निष्क्रियता, धरने पर समाज

कुचामनसिटी में 27 अगस्त, 2025 को एक नाबालिक का अपहरण हुआ था। दो युवकों कमल बिजारणिया एवं कमल कुमावत पर इसके अपहरण के आरोप हैं। ज्ञात हुआ है कि एक सफेद रंग की कार में आए युवकों ने प्रसाद लेने गई बेटी को अगवा किया था। इस घटना की सूचना पुलिस को दी गई परन्तु नाबालिक की 15 दिन तक बरामदगी नहीं हो पाई। इस कारण समाज में आक्रोश हुआ और शहर में जन आक्रोश रैली निकाली गई जिसमें हजारों लोग शामिल हुए। सर्व समाज ने थाने पर धरना दिया और पुलिस व प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। इसमें कुमावत विकास समिति के अध्यक्ष सर्वश्री राजकुमार फौजी, पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल पलाड़ा, डॉ. देवी लाल दादरवाल, चुन्नीलाल बारवाल, पूसाराम राजोरिया, पूर्व विधायक महेन्द्र सिंह चौधरी, सभापति आसिफ खान, उपसभापति हेमराज चांवला, पूर्व चेयरमैन नावां भींवाराम आदि नेताओं ने पुलिस प्रशासन पर सवाल उठाये तथा पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की। धरना स्थल पर राज्यमंत्री विजय सिंह चौधरी व पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर ने आकर बात की तथा 7 दिन का समय मांगा। उनके आश्वासन के बाद धरना समाप्त यिका गया किन्तु खबर लिखने तक नाबालिक की बरामदगी नहीं हो पायी है। समाज ने फिर से शीघ्र कार्यवाही हेतु कहा है अन्यथा धरना प्रदर्शन की कार्यवाही की जायेगी।

पाली में बंद कराया मृत्युभोज

कुमावत समाज संस्थान पाली के प्रयास से एक वर्ष पूर्व मृत्युभोज बन्द हुआ था। इसके बाद किसी के निधन होने पर मृत्यु भोज का बड़ा आयोजन नहीं किया जा रहा है। कुमावत युवा शक्ति संगठन द्वारा समाज में जागरूकता फैलाई जाकर महिला उत्थान, संस्कृति, धर्म, भक्ति तथा शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणीय भूमिका अदा की जा रही है। संस्थान समाज के घरों को मुख्यधारा में जोड़कर एकता, अखण्डता, भाईचारा, सद्‌भाव, समरसता और आपसी सहयोग के माध्यम से समाज को विकास की राह पर ले जाने का प्रयास कर रही है। पिछले कई वर्षों से सामूहिक विवाह सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है तथा क्रिकेट प्रतियोगिता, कुम्भा जी जन्मोत्सव एवं शोभायात्रा का आयोजन, खेलकूद प्रतियोगिता तथा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाता है।

शिक्षा और सेवा कार्य में अग्रणीय भूमिका के लिए संस्था प्रयासरत है।

दो बेटों की अर्थियां देख पिता ने तोड़ा दम

खाटूवालों की ढाणी, हस्तेड़ा, कालाडेरा, जयपुर के निवासी रामेश्वर लाल कुमावत तथा उसके भाई लालचंद कुमावत मोटर साइकिल पर गांव जा रहे थे तब ट्रैक्टर ट्रोली की टक्कर से दुर्घटनाग्रस्त हो गए। इन्हें गंभीर हालत में राजकीय चिकित्सालय कालाडेरा ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

घर से जब उनकी अर्थियां अन्तिम संस्कार के लिए ले जाई जा रही थी तो उनके बीमार पिता दुर्गालाल कुमावत को यह देख गहरा आघात लगा और उन्होंने अपनी देह त्याग दी। इसके बाद तीनों का एक ही चिता पर अन्तिम संस्कार किया गया। इस घटना के बाद गांव तथा कुमावत समाज में गहरा शोक व्याप्त हो गया।

भूल सुधार : जुलाई-अगस्त, 2025 के अंक में श्रीमती लक्ष्मी कुमावत के पति का गोत्र धुंधारिया प्रकाशित हो गया है जिसे 'मारवाल' पढ़ा जावे।

रिश्ता कुमावत परिचय सम्मेलन समिति द्वारा लेमन टी का आयोजन

किशनगढ़। रिश्ता कुमावत परिचय सम्मेलन समिति द्वारा किशनगढ़ में लेमन टी का विशेष आयोजन किया गया। समिति की ओर से पतंजलि योग समिति, किशनगढ़ के योगगुरु प्रभुदयाल तुंगरिया ने बताया 1200 लोगों को नि:शुल्क लेमन टी वितरण कर स्थानीय नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। किशनगढ़ वासियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे कुमावत समाज का प्रेरणादायक कार्य बताया और भविष्य में भी समाज द्वारा

ऐसे सेवाभावी एवं जनकल्याणकारी आयोजन जारी रखने की अपेक्षा जताई। इस अवसर पर उपस्थित समाजजनों ने कहा कि लेमन टी न केवल स्वास्थ्यवर्धक है बल्कि यह लोगों को चाय की आदत से दूर कर अच्छे स्वास्थ्य की ओर अग्रसर करती है। समाज के वरिष्ठजनों ने इस सफल आयोजन के लिए सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया और आगे भी ऐसे सराहनीय कार्य करने का संकल्प लिया।

कुमावत समाज की 111 प्रतिभाएं पुरस्कृत

कुमावत पंचायत भवन, ब्यावर ने कुमावत समाज की 111 प्रतिभाओं का सम्मान किया। अलग-अलग क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने हेतु प्रतिभाओं को मंच पर आमंत्रित कर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में समाज के अनेक गणमान्य मौजूद थे।

समाज अध्यक्ष नन्दकिशोर जलांधरा ने बताया कि समारोह में अतिथि के रूप में संरक्षक रामप्रसाद अनावड़िया, चैनराज पारमवाल, छोटूलाल घोड़ेला, हंसराज मारवाल, विष्णु जायलवाल, हरीश पारमवाल, मांगीलाल खटोड (पड़ासोली), रामप्रसाद खटोड (नई दिल्ली), शोभा उदीवाल, पूर्व अध्यक्ष कन्हैयालाल देवतवाल आदि लोगों ने शिरकत की। सभी ने मंच से बच्चों को स्मृति चिन्ह, मेडल, पेन, डायरी, प्रशस्ति-पत्र आशीर्वाद स्वरूप भेंट किया।

महासचिव रवि बेड़वाल ने बताया कि कार्यक्रम में 300 से अधिक समाज की मातृशक्ति, बुजुर्गों व युवाओं ने एक स्वर में प्रतिभाओं की सराहना की। इस मौके पर विद्यार्थियों को प्रोत्साहन स्वरूप विशेष भेंट भी दी गई। 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले बच्चों को हरीश पारमवाल की ओर से ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी दी गई वहीं कैलाश खटोड (ब्यावर) ने सभी बच्चों को पेन और 80 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को डायरी-पैन सेट प्रदान किए। इन्टैक ब्यावर कन्वीनर रामप्रसाद अनावड़िया ने 90 प्रतिशत अंक हासिल करने वाले होनहारों को मेडल पहनाकर उनका हौंसला बढ़ाया।

समारोह में संयोजक राजेश दम्बीवाल, सत्यनारायण बबेरीवाल और हेमंत जलांधरा ने मंच संचालन और पुरस्कार वितरण में अहम सहयोग दिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर नंदकिशोर जलांधरा, रवि बेड़वाल आदि ने महिला मंडल और नवयुवक मंडल के सहयोग हेतु आभार जताया।

श्री नंदलाल कुमावत को वायु सेना से प्रशंसा पत्र

श्री नंदलाल कुमावत, M/s ITI Ltd को भारतीय वायुसेना के हाल ही में संपन्न अभियान में अपनी उत्कृष्ट निष्ठा, अदम्य समर्पण एवं अटूट प्रतिबद्धता से महत्त्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया था।

आपके प्रयासों से बहु-आयामी उपयोग वृद्धि की स्थिति में भी उच्च स्तर की नेटवर्क उपलब्धता सुनिश्चित हो सकी। यह इनकी उच्च कोटि की व्यावसायिक दक्षता, टीम भावना, करुणा एवं तकनीकी कौशल का परिचायक है। इनकी कर्मठता, लगन एवं दृढ़ संकल्प ने अग्रिम पंक्ति के अभियानों में निर्बाध एवं सतत सहयोग उपलब्ध कराया, जो भारतीय वायुसेना के कार्य संचालन हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ। इनकी यह उपलब्धि राष्ट्रहित में अनुकरणीय एवं समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।

विनय भारद्वाज, ग्रुप कैप्टन, स्टेशन कमांडर, 759 एस.यू., भारतीय वायुसेना ने इन्हे 15 अगस्त को प्रशंसा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया है तथा इनके उज्ज्वल भविष्य, निरंतर सफलता तथा सर्वांगीण प्रगति की मंगलकामना दी है।

श्री नंदलाल कुमावत को बहुत-बहुत बधाई।

दीपोत्सव पर्व- दीपावली 2025

दीपावली हिन्दुओं का सबसे बड़ा और प्रमुख त्यौहार हैं। दीपावली का पर्व माँ लक्ष्मी का सबसे प्रिय पर्व है । यह पर्व पांच दिनों तक धनतेरस से भाई दूज तक धूमधाम एवं आस्था के साथ चलता है लेकिन इस बार यह पर्व 6 दिन का होगा । इस वर्ष दीपावली का उत्सव 18 अक्टूबर को धनतेरस से शुरू हो रहा है और समाप्ति 23 अक्टूबर को होगी।

1-धनतेरस का पर्व : धनतेरस का पर्व पांच दिवसीय दीपोत्सव का पहला दिन माना जाता है और यह मां लक्ष्मी के साथ ही धनवंतरी को समर्पित है। धनतेरस का पर्व कार्तिक मास की कृष्ण त्रयोदशी को मनाया जाता है। धनतेरस के दिन ही धन की देवी लक्ष्मी और आयुर्वेद के देवता धनवंतरी अमृत कलश को हाथ में लेकर समुद्र मंथन से प्रकट हुए थे। यह एकमात्र ऐसा पर्व है जिसमें यमराज की पूजा होती है और उनके नाम से घर के बाहर दीपक जलाया जाता है। धनतेरस की शाम को माता लक्ष्मी, कुबेर देवता और भगवान धन्वंतरि की पूजा करना शुभ फल दायक होगा। धनतेरस पर भगवान धन्वंतरि के मंत्र 'ॐ धन्वंतराय नमः' का जाप विशेष महत्व रखता है।

2- छोटी दीपावली पर्व की मान्यता और विशेषता : छोटी दीपावली- इसे नरक चौदस और रूप चौदस के नाम से भी जाना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार नरक चतुर्दशी के दिन भगवान कृष्ण ने नरकासुर नामक असुर का वध करके 16100 कन्याओं को मुक्त कराया था। इसी उपलक्ष्य में दीयों की बारात सजाई जाती है। छोटी दीपावली के दिन हनुमान जी की भी पूजा की जाती है। इस दिन यम के नाम से दीपक जलाने से अच्छे स्वास्थ्य की प्राप्ति और अकाल मृत्यु का भय भी खत्म हो जाता है।

3- दीपावली पर्व : यह त्यौहार कार्तिक मास की अमावस्या तिथि को मनाया जाने का विधान है। इस दिन माता लक्ष्मी और गणेश जी की पूजा की जाती है। दीपावली पर अमावस्या तिथि होने से अपने पूर्वजों एवं कुल देवी देवताओं का पूजन करके आशीर्वाद भी लिया जाता है। दीपावली पर जलाए जाने वाले दीयों को पूरब दिशा में रखने से परिवार को स्वास्थ्य का लाभ होता है और उत्तर दिशा में रखने से धन की प्राप्ति होती है इसलिए इन दोनों दिशाओं में दिए अवश्य जलाने चाहिए। दीपावली के दिन अमावस्या तिथि पर भगवान गणेश एवं माता लक्ष्मी के साथ ही कुबेर एवं बही-खातों की भी पूजा की जाती है। कई लोग इस दिन माता लक्ष्मी के निमित्त उपवास भी रखते हैं।

लक्ष्मी पूजन - धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा प्रदोष काल और स्थिर लग्न में करना श्रेष्ठ माना जाता है। स्थिर लग्न में वृषभ, सिंह, वृश्चिक और कुंभ लगन को शामिल किया गया है। स्थिर लग्न में पूजा करने से मां लक्ष्मी का घर में स्थाई रूप से वास होता है। महा निशीथ काल में साधकों द्वारा लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है। दीपावली पर्व पर लक्ष्मी मां के सामने घी के दीपक में दो लौंग डालकर पूजा करके हलवे का भोग लगाने के बाद ॐ श्रीं महालक्ष्म्यै नमः इस मंत्र का जाप करने से महालक्ष्मी का घर में निवास होता है

4- गोवर्धन पर्व की मान्यताएं और विशेषताएं : पांच दिवसीय दीपोत्सव के महापर्व में गोवर्धन पूजा का अपना विशेष और अनुठा महत्व है। इस दिन गोबर से गोवर्धन पर्वत बनाकर भगवान श्री कृष्ण की पूजा अर्चना की जाए तो ऐसा माना जाता है कि व्यक्ति के बहुत सारे दुख और कष्ट दूर होने लगते हैं। इस दिन गाय माता, गोवर्धन पर्वत, भगवान श्री कृष्ण के साथ ही माता लक्ष्मी की भी पूजा की जाती है और भगवान कृष्ण को अन्नकूट का भोग लगाया जाता है। इस गोवर्धन पर्व को अन्नकूट पर्व के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन गाय- बैल को स्नान करा कर उन्हें रंग भी लगाया जाता है और उनके गले में नई रस्सी भी डाली जाती है। इस दिन गाय-बैल को गुड़ और चावल मिलाकर खिलाया जाता है

5- भाई दूज पर्व की मान्यताएं और विशेषताएं : हिंदू धर्म में भाई दूज का पर्व बहुत महत्व है। इस पर्व के साथ पांच दिवसीय दिवाली उत्सव का समापन भी होता है। भाई दूज का पर्व बहन और भाई के प्रति विश्वास और प्रेम का पर्व है। इस दिन बहने भाईयों के लिए व्रत रखती हैं और विधि विधान के साथ पूजा करती हैं। रक्षाबंधन की तरह इस पर्व को भी बड़ी श्रद्धा से मनाया जाता है। इस दिन यमराज, यमुनाजी और गणेश जी के साथ ही विष्णु भगवान की भी पूजा की जाती है। इस त्यौहार को यम द्वितीया के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन बहनें चावल के आटे का चौका बनाकर उस पर पाटा सजाकर अपने भाई का तिलक करती है और मिठाई खिलाकर भाई की लंबी उम्र और सुख- समृद्धि की कामना करती है।

-डॉ योगेश, ज्योतिषाचार्य, मानसरोवर, जयपुर।
M.:8058169959

सूचना

जो समाजजन 'कुमावत इंडिया' पत्रिका से जुड़कर पत्रिका को तैयार करने में निःशुल्क सहयोग देना चाहते है वे कृपया मो. 9414554322 सम्पर्क करें।

सम्पादक

सुहाग की रक्षार्थ करवा चौथ व्रत

कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को करवा चौथ, यह दिल्ली, पंजाब, उत्तरप्रदेश, हरियाणा, मध्यप्रदेश और राजस्थान में हिन्दु महिलाओं द्वारा मनाया जाने वाला पर्व है। यह पर्व सौभाग्यवती (सुहागिन) स्त्रियाँ मनाती हैं। इसका व्रत सुबह सूर्योदय से पहले करीब 4 बजे के बाद शुरू होकर रात में चंद्रमा दर्शन के बाद संपूर्ण होता है।

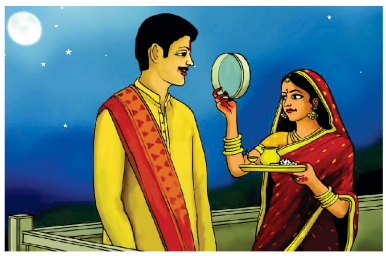

प्राचीन काल से ही इस व्रत का विशेष महत्व रहा है। यह व्रत तब आता है जब रबी की फसल की बुआई के दौरान आता है। महिलाएं करवे में गेहूं भरकर पूजा करती हैं। इसके पीछे मान्यता है कि खेत-खलियान में फसल अच्छी हो और उनके कृषक पति दीर्घायु हों। यह व्रत वर्षा ऋतु के बाद आता है जब सैनिक युद्ध के लिए निकलते थे। तब यह व्रत रखकर क्षत्राणियां अपने पति की सकुशल वापसी के लिए यह व्रत रखती थी। जो लोग व्यापार या नौकरी के लिए बाहर जाते थे तब यातायात व संचार के साधन नहीं थे तो उनकी पत्नियां अपने पतियों की अच्छी आजीविका के साथ लम्बी उम्र के लिए यह व्रत रखती थीं।

ग्रामीण, शहरी, आधुनिक महिलाओं तक सभी नारियाँ करवा चौथ का व्रत उत्साह एवं बडी श्रद्धा के साथ रखती हैं। प्रात: स्नान करके अपने सुहाग (पति) की आयु, आरोग्य, सौभाग्य का संकल्प लेकर दिनभर निराहार रहती हैं। इस दिन भालचन्द्र गणेशजी की अर्चना की जाती है। वर्तमान समय में करवा चौथ व्रतोत्सव ज्यादातर महिलाएं अपने परिवार में प्रचलित प्रथा के अनुसार ही मनाती हैं लेकिन अधिकतर स्त्रियां निराहार रहकर चन्द्रोदय की प्रतीक्षा करती हैं।

सोने, चाँदी या मिट्टी या चीनी के करवे में अन्न या मिष्ठान भरकर इसका आपस में आदान-प्रदान किया जाता है, जो आपसी प्रेम-भाव को बढ़ाता है। पूजन करने के बाद महिलाएँ अपने पति की लम्बी आयु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करती हैं तथा अपने सास-ससुर एवं बड़ों को प्रणाम कर एक लोटा, वस्त्र व विशेष करवा भेंटकर आशीर्वाद लेंती हैं। यदि वे जीवित न हों तो उनके तुल्य किसी अन्य स्त्री को भेंट करती हैं। इसके पश्चात स्वयं भोजन करती हैं।

यह व्रत 12 वर्ष तक अथवा 16 वर्ष तक लगातार हर वर्ष किया जाता है। अवधि पूरी होने के पश्चात इस व्रत का उद्यापन किया जाता है। जो सुहागिन स्त्रियाँ आजीवन रखना चाहें वे जीवनभर इस व्रत को कर सकती हैं। इस व्रत के समान सौभाग्यदायक व्रत अन्य कोई दूसरा नहीं है। अत: सुहागिन स्त्रियाँ अपने सुहाग की रक्षार्थ इस व्रत का सतत पालन करें।

सबसे प्राचीन एवं सबसे अधिक ख्याति प्राप्त मंदिर राजस्थान के सवाईमाधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा गाँव में स्थित है। चौथमाता के नाम पर इस गाँव का नाम बरवाड़ा से चौथ का बरवाड़ा पड़ गया। चौथमाता मंदिर की स्थापना महाराजा भीमसिंह चौहान ने की थी। भारत देश में वैसे तो चौथमाता जी के कई मंदिर स्थित है।

तप और करुणा से भरे हैं, महिलाओं के व्रत-त्योहार

कहते हैं महर्षि अगत्स्य ने विशाल महासागर को सिर्फ दो चुल्लू में पी लिया था इसी तरह यदि भारतीय नारी के समूचे व्यक्तित्व को सिर्फ दो शब्दों में मापना हो तो वे दो शब्द होंगे -**'तप'** एवं **'करुणा।'** इन दो शब्दों में निहित भावनाओं से बचपन से ही उसका अस्तित्व ओत-प्रोत रहता है। जैसे-जैसे वह बड़ी होती जाती है, ये भावनाएँ भी परिपक्व एवं प्रगाढ़ होती जाती हैं। इस परिपक्वता एवं प्रगाढ़ता में उसका तप प्रखर होता है, करुणा उदात्त बनाती है। भारतीय नारी के जीवन में ये दोनों ही अन्योन्याश्रित हैं। उसके तप का प्रेरणा स्त्रोत है करुणा ओर करुणा की अभिवृद्धि होती है, दिन पर दिन बढ़ने वाले तप की प्रखरता से।

उसकी यह तप, करुणा ही उसके द्वारा अनुष्ठित व्रत-उपवासों में दिखाई देती है। महिलाओं के द्वारा किया जाने वाला हर व्रत किसी न किसी विशेष तप से अनिवार्य रूप से सम्बन्धित है। वे व्रत उसकी कोरी भावुकता नहीं है। इसके पीछे ऋषि प्रणीत विज्ञान है। उत्तरायण, दक्षिणायन की गोलार्द्ध स्थिति, चन्द्रमा की घटती-बढ़ती कलाएँ, नक्षत्रों का भूमि पर आने वाला प्रभाव, सूर्य की अंश किरणों का मार्ग, इन सबका महिलाओं की शरीरगत ऋतु अग्नियों के साथ सम्बन्ध होने से विशिष्ट परिणाम को ध्यान में रखकर ही इनका निर्धारण किया गया है। बदलते समय के बावजूद महिलाओं के हर व्रत की अपनी विशेषता है।

कार्तिक कृष्ण पक्ष के चन्द्रोदय व्यापिनी चतुर्थी को करवा चौथ का व्रत किया जाता है जो स्त्रियों का मुख्य व्रत है। इस दिन का उपवास दाम्पत्य प्रेम को बढ़ाने वाला होता है। क्योंकि उस दिन की गोलार्द्ध स्थिति, चन्द्रकलाएँ, नक्षत्र प्रभाव एवं सूर्यमार्ग का सम्मिश्रण शरीरगत अग्नि के साथ समन्वित होकर शरीर एवं मन की स्थिति को ऐसा उपयुक्त बना देता है, जो दाम्पत्य सुख को सुदृढ़ और चिरस्थायी बनाने में बड़ा सहायक होता है।

इन व्रतों में प्राय: अधिकांश को भारतीय नारियों द्वारा पूरा करते देखा जा सकती है। कठोर तप-तितीक्षा, छलकती संवेदना से भरे हृदय के लिए वह स्वयं को तिल-तिल करके गलाती रहती है। अपने तप के द्वारा घर की समस्त आपदाओं विपदाओं, संकटों का शमन करती रहती है। उसकी इसी तपश्चर्या के कारण भारत की परिवार संस्था इन विषम परिस्थितियों में भी अपना अस्तित्व बनाए हुए है और आगामी दिनों में यही उज्जवल भविष्य का आधार बनती हैं।

- पं.श्रीराम शर्मा आचार्य

महात्मा गांधी की प्रासंगिकता

मोहनदास कर्मचंद गांधी ने दक्षिणी अफ्रीका से लौटकर स्वतंत्रता आंदोलन को अहिंसक तरीके से चलाया। चाहे असहयोग आंदोलन हो या दाण्डी मार्च या भारत छोड़ो आन्दोलन। उसने कांग्रेस को एक आंदोलन का रूप दे दिया। गांधी के आह्वान पर लाखों भारतीय सड़कों पर उतरे और अंग्रेजी अत्याचार को सहा। आखिर अंग्रेज प्रशासन को गांधी से बात करनी पड़ी और जन आंदोलन भी भारत के स्वतंत्र कराने में अहम रहे।

तब गांधी ने अपने विचारों से भारत का नेतृत्व किया। उन्होंने स्वदेशी अपनाने, ग्राम स्वराज्य तथा स्थानीय अन्न व उपज खानपान में अपनाने पर जोर दिया। शहरी औद्योगिकीकरण के बजाए गांव की आत्मनिर्भरता का उनका विचार था। धार्मिक एवं जातीय भेदभाव से गांधी बहुत दूर थे।

वर्ष 1947 में स्वतंत्रता के बाद भारत में कांग्रेस की सरकारें लम्बे समय तक रहीं तब **गांधी को साबरमती से राजघाट तक ही नहीं बल्की पूरे देश में स्थापित कर दिया** और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों के योगदान को भुला दिया गया। परन्तु गांधी के विचारों को केवल भाषणों तक सीमित रखा। क्या केवल गांधी की मूर्तियां चौराहों पर लगा देने, सड़कों, बाजारों, कॉलोनियों, भवनों और योजनाओं का नाम गांधीजी पर रख देने से ही देश का भला हो सकता है? भारतीय मुद्रा पर अशोक स्तम्भ के स्थान पर गांधीजी की फोटो/चित्र अंकित कर उनके नाम को भुनाकर चुनावों में जीतने की प्रवृत्ति लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। अच्छा होता गांधी के विचारों को शासन-प्रशासन में अपनाकर भारत के करोड़ों लोगों को फायदा पहुँचाया जाता।

'मनरेगा' हो या 'स्वच्छता अभियान' या 'डिजिटल इंडिया' अभियान गांधीजी हमें हर जगह मिल जायेंगे। प्राय: गांधी के महिमामंडन से ही राजनैतिक कार्यक्रमों और चुनावी सभाओं एवं रैलियों की शुरुआत होती देखी जा सकती है। आज यदि गांधी जिंदा होते तो उन्हें यह सब देख पीड़ा होती तथा सोचते क्या इसीलिए उन्होंने देश को आजादी दिलाई थी? राजनीति का मूल सिद्धान्त है देश सेवा एवं जनसेवा। राजनीति आमदनी का स्रोत बन जायेगी और परिवारवाद को राजनीति में प्रशय मिलेगा। यह तो गांधी तथा उनके समकालीन नेताओं ने सोचा भी नहीं होगा। पर देखिये राजनेता एवं उनके परिवार सत्ता में आकर मालामाल हो गये और आम जनता गरीब। उन्होंने भारत माता की सेवा को तो भुला दिया। धनबल पर ही चुनाव लड़े जाने लगे और जीतने भी लगे। देश सेवा तो जैसे जुमला ही रह गया और झूठ एवं अपराधियों के बल पर ही राजनीति चल रही है। **आदर्शों का अनुसरण तो नजर ही नहीं आ रहा, ऐसे में गांव, गरीब, दलित और रामराज्य व स्वराज्य (जो गांधी जी के आदर्श रहे) को कहां स्थान मिलेगा?** पहले अनुसूचित जाति/जनजाति तथा मुस्लिमों को झांसों में लेकर चुनाव जीते जाते थे, इससे धार्मिक वैमन्य पनपा। अब जाति भी इसमें जोड़कर जातिगत वैमनस्य को बढ़ाया जा रहा है। क्या गांधी ने ऐसे ही भारत की कल्पना की थी? राजनैतिक आंदोलन तथा धरना प्रदर्शनों में अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल तथा तोड़फोड़ हो रही है। त्योहारों पर धार्मिक जुलुसों पर पथराव की घटनाएं आये दिन अखबार की सुर्खियों में रहती हैं। टीवी की डिबेट्स का स्तर देखकर मन खिन्न उठता है। आखिर राजनेता चाहे वे सत्तापक्ष के हो या विपक्ष के, क्या संदेश देना चाहते हैं? भ्रष्टाचार की घटनाएं आये दिन हो रही हैं।

फिर से गांधी जैसे आन्दोलनों की जरूरत है जो सरकार और सरकारी प्रशासन को देश सेवा के कार्य करने को बाध्य करे तथा देश हित में अच्छी योजनाएं बने जिनसे आमजन का भला हो। यहीं गांधीजी की आत्मा को खुशी देगी और भारत और गांधी का सम्मान विश्वभर में होगा। गांधी के विचार तो आज भी प्रासंगिक हैं, जरूरत है उन्हें मन से अपनाने की।

रमेश गेदर

ढूंढिये वजह मुस्कुराहट की-9

मुस्कुराने में कोई हर्ज नहीं।
यह लबों पर कोई कर्ज नहीं।
एक मुस्कान दिन हसीन बना सकती है,
उम्मीदों के कई चिराग जला सकती है।
मुस्कान को चेहरे पर सजा कर रखो,
खुशियों को दामन में बसा कर रखो!
यह कोई दोलत नहीं, जो छिन जायेगी,
विरासत की जमीन नहीं जो बंट जायेगी।
मुस्कुराने में कंजूसी कैसी?
जिंदगी जीने में हिचककिचाहट कैसी?
रुठे को मना सकती है, रोते को हंसा सकती है,
अपनेपन का एक अहसास दिला सकती है।
मंजिल दूर नहीं, कदमों से तेरे
पहले रास्ते का पत्थर हटा तो सही।
हार जायेगी ये दुनिया सामने तेरे,
मुस्कुराहट का हुनर आजमा तो सही।
ढूंढिये इसे छोटी-छोटी बातों में,
जल्दी उठने में, प्रातः भ्रमण में।
योग और व्यायाम में, हल्की सी धूप में
हरी-हरी घास में, फूलों के खिलने में।
त्याग और समर्पण में, गरीबों की मदद में
ढूंढिये मुस्कुराहट को अपना कर्तव्य पालन में।
घर के नाश्ते और दो वक्त के खाने में,
खाने का आनन्द घरवालों के साथ बैठ खाने में।
सारे दिन की थकान मिट जायेगी, जब
अपनों के पास बैठक आप बतलायेंगें।
माता-पिता की सेवा से आशीर्वाद पायेंगे,
इससे ज्यादा मुस्कुराहट और कहां पायेंगे।

-अमिता कुमावत

ज्योति पर्व-दीपावली

दीपावली मुख्यत: सफाई, प्रकाश व मिठास का आनन्दोत्सव है। हर घर को दीपावली से पहले साफ किया जाता है। दीपावली त्योहार पर हमें अपने मन को भी साफ करना चाहिए। लाखों टन मिठाई बनती है व पारस्परिक वितरित होती है। दीपावली मुख्यत: मिठाई का त्यौहार है। मिठाई की तरह हमारा जीवन भी मीठा होना चाहिये। मीठे जीवन के लिए हमारी वाणी, हमारे आचार, विचार व व्यवहार भी मीठा होने चाहिये। तभी हमारे वैयक्तिक व सामाजिक जीवन में एक सच्ची मिठास व आनंद की लहर उत्पन्न हो सकेगी।

इस महान पर्व का अन्य पार्श्व भाग **प्रकाश** है। आन्तरिक व बाह्य स्वच्छता व शुद्धता के साथ ही दिव्य प्रकाश जुड़ा हुआ है। गहन अंधकार को दूर करने की शक्ति मिट्टी के एक छोटे से दीपक में है। अंधकार भरे एक कमरे में एक छोटा सा दीपक जलते ही अंधकार भाग जाता है। एक दीपक की लौ से अनेक दीपक जलाये जा सकते हैं। किन्तु बिजली का एक बल्ब दूसरे बल्ब को नहीं जला सकता है। दीपक की ज्योति ज्ञान की ज्योति का प्रतीक है। **दीपा-वली अर्थात प्रज्ज्वलित दीपों की एक शृंखला या पंक्ति।** ज्ञान की शृंखला भी इसी तरह लगातार विस्तृत होती है। अतएव दीप ज्योति ज्ञान ज्योति है। यह अस्मिता, भव्यता व महान त्याग का प्रतीक है। दीपक स्वयं जलता है, प्रकाशित होता है व अन्य कई दीपों को भी प्रज्ज्वलित करता है। दीपक जलते-जलते स्वयं मिट जाता है किन्तु इसके पूर्व असंख्य दीपकों को प्रकाशित कर जाता है। यही सच्चे व दिव्य त्याग की पराकाष्ठा है। दीप ज्योति सिर्फ प्रकाश ही नहीं देती किन्तु, एक सुवास, एक सुगंध अपने पीछे छोड़ जाती है। इस तरह दीवाली का महान पर्व हमारे जीवन में सच्ची मिठास, सच्चा आनंद व सच्चा प्रकाश भरने में सक्षम है।

शास्त्रों के अनुसार दीपावली मनाने का कारण : दीपक अंधकार का शमन ही नहीं करता बल्की इससे पवित्रता परिलक्षित होती है। हमारी संस्कृति में वेद और शास्त्रों में दीपक प्रज्ज्वलन की उपयोगिता बताई गई है। दीपक और हमारा शरीर मिट्टी से बना है, इस प्रकार हमारा आपसी सम्बन्ध भी है। दीपक प्रज्जवलन से भय का नाश होता है। यह हमारा पथ प्रदर्शन करता है और प्रेरणा देता है। दीपक गतिशीलता का परिचायक है।

दीपोत्सव का वैज्ञानिक कारण : बारिश के मौसम के बाद छायी हुई मलीनता और विषाणुओं से मुक्ति का अवसर है दीपोत्सव। यह हमारे स्वास्थ्य, स्वच्छता और पवित्रता का पर्व है। दीपावली पर आंगन में बनाये जाने वाले मांडणे धरा के शृंगार व मंगल का प्रतीक हैं।

क्यों करते हैं लक्ष्मी पूजन : कहा जाता है कि इस दिन समुद्रमंथन से लक्ष्मी जी का प्राक्टय हुआ था जिसने विष्णु भगवान का वरण किया। यह भी मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु ने लक्ष्मी जी सहित सभी देवी-देवताओं को बंधन से मुक्त कराया था। लक्ष्मी जी के बिना तो सृष्टि के पालनहार भगवान विष्णु भी श्रीहीन हो जाते हैं। मान्यता है कि दीपावली के दिन ही लक्ष्मीजी अपना बसेरा तलाशने निकलती है और श्रद्धालुगण उनके स्वागत करने के लिए पूजा-अर्चना करते हैं, जिससे आगामी वर्ष धन-धान्य से परिपूर्ण हो।

दीपोत्सव और राम : त्रेता युग में राम को 14 वर्ष का वनवास हुआ था। जब राम ने आततायी लंकापति रावण का वध कर दिया और वनवास काल समाप्त करके सीताजी व लक्ष्मण जी सहित अयोध्या लौटे तो अयोध्यावासियों ने उनके स्वागत में घी के दीपक जलाये थे, यह दिन कार्तिक अमावस्या का दिन था। तब से इस दिन को महत्व देते हुए हर वर्ष दीप प्रज्ज्वलन किया जाने लगा।

क्यों होती है गणेश, लक्ष्मी व सरस्वती पूजा : भगवान राम के आने से अपार वैभव एवं समृद्धि हुई। गणेश जी प्रथम पूज्य वैभव देने वाले माने जाते हैं तथा लक्ष्मी जी धनधान्य और समृद्धि की दाता है। वहीं माँ सरस्वती विद्या एवं ज्ञान की देवी है जिसके बिना सुख-समृद्धि का महत्व नहीं है। अत: इस दिन से गणेश जी-लक्ष्मी जी तथा सरस्वती जी की पूजा होने लगी। इस दिन लक्ष्मी पूजन से धन, धान्य, गज, संतान, वीरा, जया-विजया तथा विद्या की प्राप्ति होती है।

विदेशों में दिवाली मनाना : नेपाल, श्रीलंका, मलेशिया, सिंगापुर, फिजी, मारीशस, गुआना, त्रिनिदाद और टोबेको के साथ आस्ट्रेलिया, अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा आदि देशों में दीपावली मनाई जाती है। बुर्ज खलीफा, दुबई तो इस दिन रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाता है। दीपावली विदेशों में भी खुशियों का संदेश दे रही है तथा लोग भारतीय संस्कृति के मिठास से आनन्दित हो रहे हैं।

भारत में राज्य सरकारें व स्थानीय निकाय दिवाली के अवसर पर भव्य सजावट व रोशनी के लिए व्यावसायिक संस्थाओं, होटल्स, बाजार, इमारतों को पुरस्कृत करते हैं। जयपुर में तो दिवाली की भव्य रोशनी देखने के लिए देश-विदेश के लोग बड़े ही उत्साह से आते हैं। हम भारतीय आपस में दीपावली की बधाई देकर व मिठाई खिलाकर खुश होते हैं। चाहे बच्चे हो या बड़े सभी को दीपावली का इंतजार रहता है।

हम दीपावली के अवसर पर आपके उत्तम स्वास्थ्य, सुखी जीवन, संतोष, समृद्धि, अपनो का साथ तथा सभी के कल्याण के लिए शुभकामना देते हैं। यह दीपावली पर्व आप सभी के लिए मंगलमय हो।

-'कुमावत इंडिया पत्रिका टीम

दशहरा : आत्मविजय का शाश्वत दर्शन

'सत्य ही शिव है, सत्य ही सुंदर,
असत्य जहाँ, वहाँ है अंधकार।
विजय उसी की होती जग में,
जो करता है सत्य का सत्कार।'

भारतीय संस्कृति में हर पर्व केवल आनंद और उल्लास का अवसर भर नहीं होता, बल्कि वह जीवन-दर्शन और आत्मजागरण का दीपक भी प्रज्ज्वलित करता है। विजयादशमी, जिसे हम दशहरा कहते हैं, ऐसा ही पर्व है—जहाँ उल्लास के साथ-साथ गहन चिंतन की धारा बहती है। यह पर्व हमें स्मरण कराता है कि असली युद्ध किसी रणभूमि में नहीं, बल्कि मनुष्य के हृदय के भीतर होता है।

विजयादशमी या दशहरा का त्योहार प्रतिवर्ष असत्य पर सत्य की विजय के रूप में मनाया जाता है। यह त्योहार भारतीय संस्कृति के वीरता का पूजक और शौर्य का उपासक है। व्यक्ति और समाज के रक्त में वीरता प्रकट हो इसलिए दशहरे का उत्सव रखा गया है। हर साल आश्विन मास के शुक्ल पक्ष दशमी तिथि को मनाया जाने वाला दशहरा/विजयादशमी (आयुध-पूजा) हिन्दुओं का प्रमुख त्योहार है। इस दिन के संदर्भ में मुख्यत: दो कथाएँ प्रचलित है।

राम और रावण की कथा : त्रेतायुग की यह कथा हम सब जानते हैं—लंका के राजा रावण ने माता सीता का हरण किया। धर्म और मर्यादा की रक्षा के लिए प्रभु राम ने वानर-सेना के सहयोग से रावण के विरुद्ध युद्ध किया। नौ दिनों के संघर्ष के बाद दशमी के दिन रावण का वध हुआ। **यह केवल एक असुरराज का अंत नहीं था, बल्कि अन्याय, अत्याचार और अहंकार पर धर्म और सत्य की विजय थी।** तभी से यह दिन 'विजयादशमी' के नाम से मनाया जाता है।

देवी दुर्गा और महिषासुर की कथा : दशहरे का संबंध केवल रामायण से ही नहीं, बल्कि देवी-महात्म्य की परंपरा से भी जुड़ा है। कथा है कि असुरराज महिषासुर ने देवताओं को पराजित कर स्वर्गलोक पर अधिकार कर लिया। देवताओं की प्रार्थना पर आद्यशक्ति दुर्गा का प्राकट्य हुआ। नौ दिनों के युद्ध के बाद दशमी को माँ दुर्गा ने महिषासुर का वध किया। यह विजय इस बात का प्रतीक है कि जब-जब अधर्म बलवान होता है, तब-तब धर्म अपनी शक्ति के साथ प्रकट होता है।

दशहरा शब्द की उत्पत्ति : दशहरा या दसेरा शब्द 'दश' (दस) एवं 'अहन्' से बना है। दशहरा उत्सव की उत्पत्ति के विषय में कई कल्पनाएं की गई हैं। कुछ लोगों का मत है कि यह कृषि का उत्सव है। दशहरे का दार्शनिक पहलू भी है, यह पर्व आत्मदहन से आत्मप्रकाश तक की यात्रा करने का माध्यम है। **दशहरा केवल पुतलों का दहन नहीं है। यह हमारे भीतर के नकारात्मक विचारों, प्रवृत्तियों और दोषों के दहन का अवसर है।** जब हम अपने अंत:करण को शुद्ध कर लेते हैं, तभी जीवन में सच्चा उत्सव संभव होता है।

जब-जब बढ़ा अधर्म जगत में,
तब-तब अवतरित हुआ प्रकाश।
असत्य चाहे जितना ऊँचा,
सत्य नहीं होता कभी निराश।'

रावण के दस सिर केवल एक पौराणिक चरित्र की कल्पना मात्र नहीं, बल्कि मानवीय जीवन में बसे हुए दस विकारों के प्रतीक हैं—काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी। जब दशहरे की संध्या को रावण का पुतला अग्नि में भस्म होता है, तब वह केवल एक पौराणिक स्मृति का अंत नहीं होता, बल्कि यह हमें पुकारता है कि हम अपने भीतर के रावण को जलाएँ। यह अग्नि बाहरी नहीं, अंत:करण की वह ज्वाला है जो हमें पवित्र करती है, शुद्ध करती है और आत्मा को उसके सत्य स्वरूप से जोड़ती है।

विजयादशमी का दर्शन कहता है—

'विजय धनुष-बाण से नहीं, आत्मबल से होती है।
विजय शत्रु को पराजित करने में नहीं,
स्वयं को जीतने में है।
विजय असत्य के विनाश में नहीं,
सत्य के जागरण में है।'

यह पर्व हमें यह भी सिखाता है कि जीवन का हर संकल्प केवल अपने लिए नहीं, बल्कि समाज के कल्याण के लिए होना चाहिए। प्रभु राम की विजय केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं थी, वह धर्म, मर्यादा और कर्तव्य की प्रतिष्ठा थी। दशहरा हमें यह संदेश देता है कि सच्चा नायक वही है जो अपने जीवन को लोकमंगल के लिए समर्पित करे।

नवरात्रि के नौ दिन साधना, संयम और शक्ति-पूजा के प्रतीक हैं। विजयादशमी उन नौ दिनों की तपस्या का परिणाम है। जैसे देवी दुर्गा ने महिषासुर का वध कर अधर्म का नाश किया, वैसे ही मनुष्य भी आत्म-साधना से अपने भीतर के महिषासुर—वासना और अहंकार—का संहार कर सकता है। यही आत्मविजय, यही धर्मविजय, और यही सच्ची विजयादशमी है।

इस पर्व का एक और गहरा दार्शनिक पक्ष है—नवप्रारंभ। प्राचीन काल में इसी दिन राजा लोग विजययात्रा पर निकलते थे। आज भी इस दिन नया कार्य, नई योजना, नई यात्रा प्रारंभ करने की परंपरा है। इसका अर्थ यह है कि आत्मविजय के बाद ही जीवन में सृजन संभव है। बुराई का दमन कर ही नई सृष्टि की आधारशिला रखी जाती है।

अत: दशहरा हमें केवल यह नहीं बताता कि राम ने रावण को हराया, बल्कि यह भी सिखाता है कि प्रत्येक मनुष्य के भीतर एक राम और एक रावण है। जब **अंत:करण का राम जागता है और रावण का दमन करता है, तभी जीवन का अर्थ पूर्ण होता है।** यही दशहरे का दर्शन है—

'आत्मविजय ही परमविजय है, और यही जीवन का सच्चा उत्सव है।'

– डॉ प्रिया मारवाल, अस्सिटेंट प्रोफेसर

मधुमेह में आहार व्यवस्था

मधुमेह (Diabetes) के रोगियों के लिए आहार का सही प्रबंधन बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उनके रक्त शर्करा (Blood Sugar) के स्तर को नियंत्रित करने में सीधे तौर पर मदद करता है। गलत खान-पान से ब्लड शुगर का स्तर बढ़ सकता है, जिससे जटिलताओं का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए संतुलित और नियंत्रित आहार का पालन करना मधुमेह के प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

आहार का महत्व

रक्त शर्करा (blood sugar) का नियंत्रण: सही आहार का सेवन करने से रक्त शर्करा के स्तर में अचानक वृद्धि को रोका जा सकता है। कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स (Glycemic Index) वाले खाद्य पदार्थ, जैसे कि साबुत अनाज और रेशेदार सब्जियां, धीरे-धीरे पचते हैं, जिससे Sugar का अवशोषण धीमा होता है।

वजन प्रबंधन: मधुमेह में अक्सर वजन बढ़ना एक समस्या होती है। एक संतुलित आहार योजना वजन को नियंत्रित करने में मदद करती है, जो इंसुलिन संवेदनशीलता (Insulin Sensitivity) को बेहतर बना सकता है।

पोषण की आपूर्ति : मधुमेह के रोगियों को भी सभी आवश्यक पोषक तत्वों (प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा, विटामिन और खनिज) की आवश्यकता होती है। आहार का सही समायोजन यह सुनिश्चित करता है कि शरीर को पर्याप्त पोषण मिले।

आहार का समायोजन

मधुमेह के रोगियों के लिए आहार का समायोजन करते समय कुछ प्रमुख बातों का ध्यान रखना चाहिए:

कार्बोहाइड्रेट का प्रबंधन : सही प्रकार चुनें: शर्करा और प्रोसेस्ड (processed) कार्बोहाइड्रेट की जगह जटिल कार्बोहाइड्रेट (Complex Carbohydrates) चुनें, जैसे कि ज्वार, बाजरा, ब्राउन राइस और साबुत गेहूं।

मात्रा का ध्यान रखें: कार्बोहाइड्रेट की मात्रा पर नजर रखना महत्वपूर्ण है, क्योंकि ये सीधे तौर पर रक्त शर्करा को प्रभावित करते हैं। 'प्लेट विधि' का उपयोग करें, जिसमें आपकी प्लेट का आधा हिस्सा गैर-स्टार्च वाली सब्जियों से भरा हो।

फाइबर का सेवन : अपने आहार में उच्च फाइबर वाले खाद्य पदार्थों को शामिल करें। फाइबर (जैसे कि सब्जियों, फलों, दालों और साबुत अनाज में पाया जाता है) पाचन को धीमा करता है और रक्त शर्करा के स्तर को स्थिर रखने में मदद करता है।

प्रोटीन और स्वस्थ वसा : लीन प्रोटीन (Lean Protein) जैसे कि दाल, सोयाबीन, पनीर और चिकन का सेवन करें। प्रोटीन तृप्ति की भावना देता है और रक्त शर्करा को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है।

स्वस्थ वसा (Healthy Fats) आहार में शामिल करें जैसे बादाम, अखरोट, चिया सीड्स और एवोकाडो में पाए जाते हैं।

भोजन का समय और मात्रा: एक बार में बहुत सारा भोजन खाने की बजाय, दिन भर में थोड़ी-थोड़ी मात्रा में कई बार खाएं। (Small Frequent Meals) यह रक्त शर्करा के स्तर को स्थिर रखने में मदद करता है और अचानक उतार-चढ़ाव को रोकता है।

नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात का भोजन निर्धारित समय पर करें। सही आहार योजना के लिए किसी विशेषज्ञ, जैसे कि आहार विशेषज्ञ (Dietitian) या डॉक्टर से सलाह लेना सबसे अच्छा होता है, क्योंकि हर व्यक्ति की जरूरतें अलग होती हैं।

यहाँ ये जानना भी आवश्यक तथा महत्वपूर्ण है कि जैसे पहले कहा था कि मीठा तथा चावल इत्यादि पूरी तरह वर्जित है, ऐसा नहीं है। कुल मिलाकर हमें यह देखना है कि **जो कैलोरीज हम भोजन के माध्यम से प्राप्त कर रहे हैं वो उस व्यक्ति के उद्यम के हिसाब से है ली जायें** तथा भोजन में एक्सचेंज रखना भी आवश्यक है ताकि भोजन सुस्वाद हो एवं उबाऊ नहीं हो।

- डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन

चंद्रप्रकाश कुमावत बने सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) ने चंद्रप्रकाश कुमावत को राष्ट्रीय अध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ पद पर मनोनीत किया है। रामगंज मंडी, कोटा निवासी चंद्रप्रकाश कुमावत (चन्दू चश्मे वाले), महासभा के सक्रिय आजीवन सदस्य हैं। महासभा ने विश्वास जताया है कि कुमावत महासभा के नियमों के अनुरूप समाज के सर्वांगीण विकास में वे सक्रिय सहयोग प्रदान करेंगे।

बेंगलुरु कुमावत समाज की नवीन कार्यकारिणी गठित

कुमावत समाज बेंगलुरु की नवीन कार्यकारिणी का गठन हुआ है। अब सर्वश्री माणकचंद सिन्दड अध्यक्ष, मनोहर अडानिया सचिव, सम्पतराज चांदोरा कोषाध्यक्ष तथा अन्य पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्य बनाये गये है। **नवीन कार्यकारिणी को हार्दिक बधाई।**

दशरथ मांझी की कहानी

मुझे तथा श्री सी.एम. कुमावत को बिहार के उस क्षेत्र में जाने का अवसर मिला जहां दशरथ मांझी ने दृढ़ निश्चय एवं अदम्भ्य साहस से पहाड़ काटकर रास्ता बना एक अद्‌भुत काम किया था। यह बोधगया से राजगीर के रास्ते में गहलौर गांव में है, अब इसी मार्ग से आवाजाही होती है। इसे देखकर मन रोमांच से भर उठा है।

उनकी कहानी इस प्रकार है:

दशरथ मांझी की पत्नी फगुनिया देवी का इस पहाड़ी से पांव फिसला, जब वह अपने गांव से 55 किलोमीटर दूर स्थित अस्पताल में इलाज के लिए जा रही थीं तो समय पर इलाज नहीं मिलने से उनकी मृत्यु हो गई। उस समय, गहलौर गांव और आसपास के क्षेत्रों के बीच एक बड़ी पहाड़ी थी, जो लोगों की आवाजाही को बहुत मुश्किल बनाती थी।

इस घटना ने दशरथ मांझी को बहुत आहत किया और उन्होंने निश्चय किया कि वह इस पहाड़ी को काटकर एक सड़क बनाएंगे, ताकि लोगों को आसानी से आवाजाही हो सके। दशरथ मांझी ने अकेले ही इस काम को 1960 मे हाथों में हथौड़ा और छेनी लेकर शुरू किया और धीरे-धीरे इस पहाड़ी को काटने लगे।

शुरू में तो लोग इन्हें पागल कहते थे। किन्तु इन्होंने पहाड़ काटना जारी रखा। उनके इस काम में कई वर्ष लग गए और उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। आखिरकार, 1982 में दशरथ मांझी ने अपने इस काम को पूरा किया और उन्होंने इस पहाड़ी को काटकर एक 360 फीट लंबी और 25 फीट चौड़ी सड़क बना दी। अब अन्नी और वजीरगंज की दूरी 15 किमी रह गयी जो पहले 55 किमी हुआ करती थी।

प्रेरणा: उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति और संघर्ष ने उन्हें 22 साल में यह असंभव काम पूरा करने में मदद की। उनकी यह उपलब्धि न केवल एक व्यक्तिगत जीत है, बल्कि यह समाज के लिए भी एक प्रेरणा है कि कैसे एक व्यक्ति अपने संकल्प और मेहनत से बड़े बदलाव ला सकता है।

दशरथ मांझी की कहानी हमें सिखाती है कि:

1. दृढ़ संकल्प, जुनून और इच्छाशक्ति से कुछ भी हासिल किया जा सकता है।
2. एक व्यक्ति भी समाज में बड़ा बदलाव ला सकता है।
3. मेहनत और संघर्ष का कोई विकल्प नहीं होता है।

उनके इस कार्य ने गहलौर और आसपास के गांवों के लोगों के जीवन को आसान बनाया और उन्हें शहरों से जोड़ने में मदद की।

उनके इस अद्भुत काम ने उन्हें **'माउंटेन मैन'** के नाम से प्रसिद्ध बना दिया। इन पर एक फिल्म का निर्माण भी हुआ है। भारत सरकार ने 2016 में 5 रुपये का डाक टिकिट भी दशरथ मांझी पर जारी किया था।

-रमेश गेदर

मुख्यमंत्री एकल नारी सम्मान पेंशन योजना

प्रदेश में मुख्यमंत्री एकल नारी सम्मान पेंशन योजना में 1150 से 1500 रुपए तक पेंशन दी जाती है। इसमें 18 वर्ष या अधिक नायु की विधवा/परित्यक्ता/तलाकशुदा महिला, जो राजस्थान की मूल निवासी है और राजस्थान में रह रही है। जीवन निर्वाह के लिए स्वयं की नियमित आय का कोई स्रोत नहीं है योग्य है।

अधिकतम पारिवारिक आय: आवेदक की समस्त स्रोतों से कुल वार्षिक आय 48 हजार रुपए से कम है तो ही पेंशन देय होगी।

छूट देय : बीपीएल/अंत्योदय/आस्था कार्डधारी परिवार/सहरिया/कथौड़ी/खैरवा जाति एवं एचआईवी एड्स पॉजिटिव जो एड्स कंट्रोल सोसायटी में पंजीकृत हैं, ऐसी विधवा/परित्यक्ता/तलाकशुदा महिलाओं को आय संबंधी शर्त में छूट प्रदान की गई है।

देय राशि : 18 वर्ष से अधिक किंतु 75 वर्ष से कम उम्र के पेंशनर को 1150 रुपए प्रतिमाह। 75 वर्ष व उससे अधिक आयु के पेंशनर को 1500 रुपए प्रतिमाह देय होगी। यह सम्पूर्ण राशि राज्य सरकार वहन करती है।

कौन भागीदार नहीं : यदि प्रार्थी स्वयं या पति या पत्नी या पुत्र केंद्र सरकार/अन्य राज्य सरकार/राज्य सरकार/राजकीय उपक्रम में सेवारत हो या पेंशनर हो तो वह पात्र नहीं है।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस महासचिव श्री ललित तूनवाल की माताजी श्रीमती गोमती देवी का 19 सितम्बर 2025 को स्वर्गवास हो गया।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से उन्हें सादर श्रद्धांजलि।

गोवर्धन पर्व : भक्ति और प्रकृति का अनुपम संगम

भारतीय संस्कृति में प्रत्येक पर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि जीवन के गहन सत्य का संदेशवाहक है। दीपावली के अगले दिन मनाया जाने वाला गोवर्धन पर्व भी ऐसा ही पर्व है, जो मानव को प्रकृति-पूजन, गौ-सेवा और कृतज्ञता का अद्वितीय पाठ पढ़ाता है।

श्रीकृष्ण और गोवर्धन लीला

ब्रज की पावन भूमि पर जब इन्द्रयज्ञ की तैयारी हो रही थी, तब नन्हें कृष्ण ने ब्रजवासियों से कहा-

''हमारा जीवन अन्न, जल और गौ पर आधारित है। यह गोवर्धन पर्वत हमें घास, लकड़ी, जल और अन्न प्रदान करता है। वास्तविक देवता तो यही हैं। क्यों न हम इनकी पूजा करें?''

ब्रजवासियों ने इन्द्रयज्ञ त्यागकर गोवर्धन की पूजा की। इन्द्र क्रोधित हुए और मूसलधार वर्षा करने लगे। तब बालक कृष्ण ने अपनी छोटी अँगुली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर समस्त ब्रज को आश्रय दिया।

सात दिन, दिन-रात तक यह लीला चली और अंततः इन्द्र का अहंकार नष्ट हुआ। तभी से गोवर्धन पर्व का आरंभ हुआ।

श्रीमद्भागवत में कहा गया है-

''यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्॥''

अर्थात जब-जब धर्म की हानि होती है और अधर्म का प्रबल प्रभाव बढ़ता है, तब-तब भगवान धर्म की रक्षा के लिए अवतरित होते हैं। गोवर्धन लीला भी इसी सत्य की उद्घोषणा है।

गाँव का दृश्य और अन्नकूट उत्सव

आज भी जब कार्तिक मास की प्रतिपदा आती है, तो गाँव-गाँव में गोवर्धन पूजा का अद्भुत दृश्य होता है। घर-आँगन लीपे-पुते जाते हैं। गोबर से गोवर्धन की प्रतिमाएँ बनती हैं, जिन्हें फूलों और रंगोली से सजाया जाता है। बच्चे, स्त्रियाँ और बुजुर्ग सब मिलकर गीत गाते हैं- 'गोवर्धन महाराज की जय।'

गाय-बैलों को स्नान कराकर सजाया जाता है। उनके गले में नई रस्सियाँ और घंटियाँ बाँधी जाती हैं। संध्या होते ही घर-घर में अन्नकूट का आयोजन होता है। सैकड़ों प्रकार के व्यंजन बनाए जाते हैं- दालें, सब्जियाँ, मिठाइयाँ, पकवान और उन्हें गोवर्धन महाराज को अर्पित किया जाता है। यह दृश्य केवल पूजा नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का उत्सव है।

गोवर्धन पर्व का गूढ़ संदेश

प्रकृति का सम्मान करो : वनों, पर्वतों और नदियों के बिना जीवन संभव नहीं।

गौ और पशुधन की सेवा करो : यह हमारी कृषि और अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं।

अहंकार त्यागो : इन्द्र का दर्प टूटा, यह शिक्षा है कि अहंकार चाहे देवताओं को भी क्यों न हो, टिक नहीं सकता।

सामूहिकता अपनाओ : जब ब्रजवासी एकजुट हुए, तभी विपत्ति से मुक्ति मिली।

संत कबीर का वचन है-

'प्रकृति परे जो चलत है, सो जीव परम पाव।
जिसने साधी प्रकृति, तिनहिं मिला हरि भाव॥'

अर्थात जो मनुष्य प्रकृति का सम्मान करता है, वही ईश्वर की निकटता को प्राप्त करता है।

आज के परिप्रेक्ष्य में

आज के युग में जब मनुष्य भौतिक सुखों के पीछे दौड़ते हुए प्रकृति से दूर हो गया है, तब गोवर्धन पर्व और भी प्रासंगिक हो उठता है।

यदि हम नदियों को प्रदूषित करेंगे, वनों को नष्ट करेंगे और पशुधन की उपेक्षा करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन असंभव हो जाएगा। गोवर्धन पर्व हमें चेतावनी देता है-

'यदि प्रकृति की पूजा नहीं करोगे, तो उसका प्रकोप सहना पड़ेगा।' और यह वचन भी देता है- 'यदि कृतज्ञता और भक्ति के साथ उसकी रक्षा करोगे, तो वही तुम्हें हर संकट से बचाएगी।'

उपसंहार

गोवर्धन पर्व केवल भगवान कृष्ण की लीला का स्मरण नहीं है, बल्कि यह जीवन का मार्गदर्शन है।

यह हमें सिखाता है- ■ अहंकार छोड़कर विनम्र बनो। ■ प्रकृति और गौ-सेवा को जीवन का अंग बनाओ। ■ सामूहिकता और कृतज्ञता का भाव अपनाओ।

इसीलिए कहा गया है- **'माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः।'** (ऋग्वेद)

अर्थात यह धरती हमारी माता है और हम उसके पुत्र हैं।

जब तक यह भाव हमारे भीतर जीवित रहेगा, तब तक गोवर्धन पर्व केवल परंपरा नहीं, बल्कि मानवता और जीवन का पथप्रदर्शक बना रहेगा।

-सीमा कुमावत (मारवाल)

विश्व वास्तुकला दिवस

विश्व वास्तुकला दिवस, हर साल अक्टूबर के पहले सोमवार को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य समाज में वास्तुकला (Architecture) की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करना है। इस साल यह 6 अक्टूबर, 2025 को मनाया जाएगा, के लिए '**डिज़ाइन फ़ॉर स्ट्रेंथ**' थीम की घोषणा की है। यह थीम वास्तुकारों को अस्थायी समाधानों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, निर्मित पर्यावरण की लचीलापन, अनुकूलनशीलता और पुनर्निर्माण क्षमता को मज़बूत करने वाली रणनीतियाँ अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है।

यह दिवस हमें याद दिलाता है **कि इमारतें केवल ईंट और गारे से बनी संरचनाएं नहीं हैं, बल्कि ये कला, विज्ञान और संस्कृति का अनूठा संगम हैं जो हमारे रहने के तरीकों और हमारी पहचान को आकार देती हैं।**

वास्तुकला का महत्व

वास्तुकला मानव सभ्यता का एक अभिन्न अंग रही है। हड़प्पा और मोहनजोदड़ो जैसी प्राचीन सभ्यताओं के सुनियोजित शहर, पिरामिडों की भव्यता और भारतीय मंदिरों की जटिल नक्काशी इसके जीवंत उदाहरण हैं। वास्तुकार ऐसे स्थान बनाते हैं जो न केवल हमें आश्रय देते हैं, बल्कि टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल भी होते हैं। यह पेशा बढ़ती आबादी, शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों का समाधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भारत में, वास्तुकला का इतिहास अत्यंत समृद्ध रहा है। ताजमहल, खजुराहो के मंदिर, हंपी, राजस्थान के किले, महल, हवेलियाँ और मंदिर आदि ने दुनिया को भारतीय शिल्प कौशल से परिचित कराया। ये संरचनाएं उस समय के सामाजिक, धार्मिक और वैज्ञानिक ज्ञान का प्रमाण हैं।

कुमावत समाज का योगदान : भारतीय वास्तुकला के इस गौरवशाली इतिहास में कुमावत समाज का योगदान अविस्मरणीय है। यह समाज, जिसे पारंपरिक रूप से भवन निर्माण, मूर्तिकला और स्थापत्य कला में महारत हासिल है, ने सदियों से भारत की सांस्कृतिक विरासत को संजोने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कुमावत समाज को भगवान विश्वकर्मा का वंशज माना जाता है, जो देवताओं के शिल्पकार और वास्तुकार थे।

राजस्थान के कई ऐतिहासिक स्मारकों के निर्माण में कुमावत कारीगरों का विशेष योगदान रहा है। इनमें से कुछ प्रमुख हैं:

हवा महल: 1799 में निर्मित इस अद्भुत महल को श्री लाल चंद उस्ता ने डिजाइन किया था, जो कुमावत समुदाय से थे। हवा महल की 953 छोटी खिड़कियां और जटिल जाली का काम कुमावत कारीगरों की निपुणता का प्रमाण है जिसे देश-विदेश के पर्यटक देख कर आश्चर्यचकित हैं।

कीर्ति स्तंभ: चित्तौड़गढ़ किले में स्थित विजय स्तंभ, जिसे कीर्ति स्तंभ भी कहा जाता है, का निर्माण महाराणा कुम्भा ने 1448 में करवाया था। इसके निर्माण में कुमावत समाज के कारीगरों का महत्वपूर्ण योगदान हैं।

अल्बर्ट हॉल: जयपुर के इस भव्य संग्रहालय का निर्माण ब्रिटिश वास्तुकार सैमुअल स्विंटन जैकब के निर्देशन में हुआ था, लेकिन इसके निर्माण और बारीक कारीगरी में स्थानीय कुमावत कारीगरों की कला का विशेष योगदान हैं।

कुम्भलगढ़ किले का मुख्य वास्तुकार मण्डन थे, जो कुमावत थे। यह आलिशान किला राजसमंद में स्थित है। इस किले का निर्माण राणा कुंभा ने 1448-1458 में करवाया था। जो सुरक्षा के लिए मजबूत किलों में आता है। इसमें महल व मंदिर भी आकर्षक हैं।

विश्व वास्तुकला दिवस के अवसर पर, हमें कुमावत समाज जैसे उन निपुण कारीगरों के अतुलनीय योगदान को स्वीकार करना चाहिए जिन्होंने भारत को दुनिया के सबसे सुंदर वास्तुकला स्थलों में से एक बनाया है।

श्री राम प्रकाश गहलोत (कुमावत) एक प्रसिद्ध वास्तुकार थे जिन्होंने दिल्ली में विज्ञान भवन का डिज़ाइन तैयार किया था। उन्हें इसके लिए पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

अन्य प्रसिद्ध वास्तुकार : आधुनिक भारत के महानतम वास्तुकारों में से एक, सिविल इंजीनियर, दूरदर्शी राजनेता, भारत रत्न से सम्मानित **डॉ. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया** है।

प्रभावशाली वास्तुकारों में बी.वी. दोषी (प्रथम भारतीय पुल्तजर पुरस्कार विजेता), वृंदा सोमाया (संरक्षण कार्यों के लिए प्रसिद्ध), और हफीज कॉन्ट्रैक्टर (पद्म भूषण पुरस्कार विजेता) जैसे प्रतिष्ठित नाम शामिल हैं। चित्रा विश्वनाथ का दर्शन वास्तुकला और पारिस्थितिकी के अंतर्संबंध में गहराई से निहित है। वह विभिन्न बनावटों और छापों को मिलाकर ऐसे डिज़ाइन तैयार करती हैं जो प्रकृति के साथ पूरी तरह मेल खाते हों।

हफीज कॉन्ट्रैक्टर किसी विशिष्ट शैली के मूल में विश्वास करते हैं। इसके बजाय, वे ऐसे स्थान बनाने के विचार का समर्थन करते हैं जो वर्तमान परिदृश्य पर आधारित हों, लोगों के साथ प्रतिध्वनित हों और ईमानदारी पर आधारित हों।

राहुल मेहरोत्रा सहज डिज़ाइनिंग की अवधारणा और रचनात्मक समाधान निकालने के लिए कई ज्यामितियों के साथ प्रयोग करते हैं।

कुमावत समाज का पुरातन काल से वास्तुकला के क्षेत्र में एकाधिकार रहा, इनके प्रयासों से सैंकड़ों साल पहले जो ईमारतें बनी वे आज भी मजबूती से खड़ी हैं। इनका गौरवशाली इतिहास देखने लाखों पर्यटक आते हैं। संकलन-'कुमावत इंडिया' पत्रिका टीम

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर (स्व.)
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोड़िया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, पांचावाला, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर, झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल, टोंक फाटक, जयपुर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 श्री रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, ढोडसर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर, जयपुर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
वि/143 श्री संजीव कुमार वर्मा, मानसरोवर एक्स., जयपुर
वि/144 श्री रामेश्वर बम्बोरिया, पवन टॉवर, सोडाला, जयपुर
वि/145 श्री राकेश कुमावत,(आसीवाल), बनीपार्क, जयपुर
वि/146 श्री यतेन्द्र सिंह, खिरणी फाटक, जयपुर
वि/147 श्री प्रारूप कुमावत, रांकड़ी, जयपुर
वि/148 श्री शिवदयाल धुंधारिया, सीकर रोड, जयपुर
वि/149 श्री छीतरमल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/150 श्री कैलाश घोड़ावड़, सूरत
वि/151 श्री गणेश लाल कुमावत, देवी नगर, जयपुर
वि/152 श्री ओम प्रकाश वर्मा, अलथान रोड, सूरत
वि/153 डॉ. अनूप कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

11 अगस्त श्री अरविन्द कुमार खरनारिया, पुत्र सतीश चंद खरनारिया (कंचन दीप होटल), जयपुर
12 अगस्त श्रीमती तारा देवी किरोड़ीवाल, शास्त्री नगर जयपुर
13 अगस्त श्री मानप्रकाश कारगवाल, गोविन्दगढ़, पुष्कर
15 अगस्त श्रीमती बोदी देवी किरोड़ीवाल, रेनवाल रोड, चौमूं
20 अगस्त श्री मोहन लाल चंगेरिया, मलहार गढ़, मन्दसोर
21 अगस्त श्रीमती अंजू मारवाल, दुर्गापुरा, जयपुर
21 अगस्त श्रीमती घीसी देवी, पत्नी स्व. श्री नारायण गेदर, पांच्यावाला, जयपुर
22 अगस्त श्रीमती जशोदा देवी घासोलिया, चित्रकूट, जयपुर
22 अगस्त श्री कैलाश चंद बाथरा, मोहू का बास, जयपुर
22 अगस्त श्री रामलाल अनावड़िया, वैशाली नगर, अजमेर
23 अगस्त श्री अंकित जलांधरा, दादी का फाटक, जयपुर
26 अगस्त श्रीमती भंवरी देवी, बधानिया, मिश्रराजा जी का रास्ता, जयपुर
26 अगस्त श्रीमती संजना देवी उदयवाल, कालवाड़ रोड, जयपुर
26 अगस्त श्रीमती प्रेम देवी जालवाल, नन्दपुरी, जयपुर
26 अगस्त श्रीमती मीरा देवी देवतवाल, माचवा, जयपुर
26 अगस्त श्री सुनील छापोला, निवारू रोड, जयपुर
27 अगस्त श्रीमती गोपाली देवी, खोवाल, मांग्यावास, जयपुर
27 अगस्त श्री हरीकिशन मारवाल, श्रीमाधोपुर
28 अगस्त श्री बनवारीलाल सोकिल, चौमूं
30 अगस्त श्री विजय मारवाल, नन्दपुरी, जयपुर
31 अगस्त श्रीमती हरीद्वारी देवी राजौरिया, मान्यावास, जयपुर
31 अगस्त श्रीमती लक्ष्मी देवी अजमेरा, न्यू सांगानेर रोड, जयपुर
1 सितम्बर श्री दूलीचन्द खोवाल, खातीपुरा रोड, जयपुर
1 सितम्बर श्री रामेश्वरलाल कंडेरीवाल, हाथोज, जयपुर
1 सितम्बर श्री हरीश बबेरीवाल, मंगलम सिटी, कालवाड़ रोड, जयपुर
1 सितम्बर श्री ओमप्रकाश कुण्डलवाल, शास्त्री नगर, जयपुर
3 सितम्बर श्रीमती रामसुखी देवी गैदर, बिनोबा बस्ती, बरकत नगर, जयपुर
4 सितम्बर श्रीमती शांति देवी बारावाल, पुराना शहर किशनगढ़
5 सितम्बर श्रीमती रतन देवी भोरोदिया, शास्त्री नगर, जयपुर
5 सितम्बर श्री रमेश चन्द बैरा, सांगानेर, जयपुर
7 सितम्बर श्री राजेन्द्र कुमार बरमुण्डा, व्याख्याता, कालाडेरा
8 सितम्बर श्रीमती तारा देवी नागा, जोबनेर जयपुर
11 सितम्बर श्रीमती कंचन मारवाल धर्मपत्नी स्व. श्री राजेन्द्र मारवाल, जयपुर
11 सितम्बर श्री हरीनारायण अजमेरा, माल की ढाणी, सांगानेर
13 सितम्बर श्री घनश्याम बोड़िया, झोटवाड़ा, जयपुर
16 सितम्बर श्री जयराज गेदर, आदर्श बस्ती, टोंक फाटक, जयपुर
19 सितम्बर श्रीमती गोमती देवी (श्री ललित तूनवाल की माताजी) सुंशात सिटी, जयपुर

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नंबर	
सुनील	Civil Engi.	Self Business	22.5.96	5'11''	कारगवाल	दम्बीवाल	करोड़ीवाल	नरावाल	9928818025	रींगस
अमित	DCE. B.Com.	Pvt. Ltd.	25.11.95	5'11''	जालवाल	कुदीवाल	कारगवाल	बबेरीवाल	7727084141	जयपुर
संदीप	B.Tech.(EE)	Govt. Srvice (JVVNL)	23.7.97	5'8''	खोवाल	तूंदवाल	मारवाल	दिलीवाल	9680416206	जयपुर
प्रदीप	(low vision 20%)M.A., B.Ed.	2nd grade Teacher	5.2.97	5'4''	राजोरिया	लोहरवाडिया	दंबिवाल	मारोठिया	9929836251	गोविन्दगढ़
राहुलराज	M.Com.,LLB	Deed writor	27.7.89	5'8''	सिरोहिया	सिरस्वा	भोरोदिया	खोवाल	9828999822	जयपुर
दिनेश	12th	Construction	1.4.98	5'5''	कुराडिया	सिंधु	बारोदिया	छापरवाल	7415492677	मध्य प्रदेश
नवीन	B.A.	Business	27.6.99	5'6''	झुंझुनोदिया	गैदर	राहोरिया	कुदाल	9660167241	ब्यावर
आशीष	B.Com., LLB	Advocate	29.10.95	5'7''	नरानिया	सिरस्वा	कारगवाल	चुनगरिया	9251717247	जोबनेर
प्रदीप	B.Com., Computer	course Accounts works	23.5.99	-	रेवाड़िया	मारोठिया	खोहरवाड़िया	कोलुगरिया	6367855277	जयपुर
महेश	M.Com.	Accounts (Assam)	5.8.94	5'7''	घोड़ेला	जलिन्द्रा	सिरोडिया	कारगवाल	9799074935	जयपुर
विकास	M.Com. (ABST)	Accounting manager	20.12.99	5'6''	मारोठिया	देवतवाल	बबेरवाल	दहमुनिया	9783955941	जयपुर
महेश	B.Tech.	Pvt. Ltd.	25.4.99	5'8''	खोरानिया	दम्बीवाल	सिघडवाल	कुकड़वाल	9636294934	जयपुर
हेमन्त	B.Com., CA	Charted Account in comp.	23.10.97	5'5''	घोड़ेला	बासनीवाल	मारोठिया	मारवाल	9413345384	जयपुर
प्रमोद	M.Com.	Salaried	21.11.92	5'6''	खोवाल	बबेरीवाल	कारगवाल	बालोदिया	7790827021	जयपुर
सार्थक	B.Tech, PEDM	Fin Tech comp.	3.10.98	5'11''	तांगड़ा	बड़ीवाल	तूंदवाल	निमीवाल	9828020912	जयपुर
हेमन्त	M.Com.	Accountant	5.4.98	5'10''	मरोडिया	कुद्दीवाल	तुनगरिया	जालवाल	9680006013	जयपुर
पवन	B.Tech. (IT)	Goct. Employee	6.4.97	5'8''	माचीवाल	राजोरिया	कुलचाणिया	दोराया	9143108270	टोंक
रमेश (तलाकशुदा)	M.Com.	Work shop	10.10.94	5'10''	धुंधारिया	राजोरिया	देवतवाल	आईथान	9928366912	जयपुर
विजय	B.Sc.	Business	16.8.2001	-	देवतवाल	राहोरिया	मारवाल	घोड़ेला	9799134481	जयपुर
गौरव	B.Tech.(IT)	IT officer (B.O.B.)	13.1.98	6'0''	अडानिया	बाथरा	कारगवाल	नागा	7597815546	अजमेर

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नंबर	
कविता	B.Com., C.A.	Manager	27.3.95	5'3''	मामोडिया	सोकिल	मारवाल	सारड़ीवाल	9784597401	जयपुर
सपना	B.Com., CA	C.A. at KPMG	17.6.95	5'1''	बेडवाल	मारोठिया	राहोरिया	दम्बीवाल	9314640321	जयपुर
डॉ. पूजा	MBBS	Director UPSC CMS	29.1.97	5'1''	बेडवाल	मारोठिया	राहोरिया	दम्बीवाल	9314640321	जयपुर
राखी	M.Com.	Accountant	2.8.93	5'5''	जाखरा	चोरासिया	सिलवाड़िया	दोराया	9462779139	प्रतापगढ़
सविता	B.A., B.Ed.	Govt. Teacher 2nd grade	7.1.2000	5'4''	बिनवाल	धुंधारिया	जलान्दरा	कारगवाल	9784346989	जयपुर
मीनू	(तलाकशुदा) 10th	--	34 वर्ष	5'4''	देवतवाल	मारवाल	सिरोहिया	बधानिया	8824275295	जयपुर
प्रियंका	M.A., B.Ed.	--	20.5.2001	5'2''	अनावड़िया	पलड़िया	कांकर	चंदोरा	9828131336	अजमेर
मनीषा	M.Com. (ABST)	--	14.7.94	5'3''	बबेरीवाल	माचीवाल	देवतवाल	सिरस्वा	8824390772	जयपुर
मीनाक्षी	(मांगलिक) B.Com.	Private	8.9.91	4'11''	मंडावरा	मारवाल	खोवाल	सिरोहिया	8302881452	जयपुर
मीनल	M.A.	--	22.6.99	5'5''	राजोरा	दम्बीवाल	बालोदिया	नागा	9829550521	जयपुर
सक्सी	(चिंकी) B.Com., LLB	Preaparing for judiciary	18.9.93	5'5''	खोरानिया	किरोड़ीवाल	बिरथल्या	मारवाल	9829111135	जयपुर
श्रीष्ठी	MBA(Digital) from uk	--	21.10.99	5'0''	मारवाल	जलान्दरा	कुद्दीवाल	किरोड़ीवाल	9829059853	जयपुर
मेघा	B.Sc. (AC)M.Sc.	FCI(Govt. of india)	17.7.97	5'2''	बारावाल	मारोठिया	बड़ीवाल	बालोदिया	9887158178	जयपुर
डिम्पल	MVA (P.G.)	--	4.1.99	4'8''	खरगटा	तांगड़ा	जलान्दरा	बसवाल	8209668338	जोबनेर
श्रेया	M.Sc. (Maths)	--	26.6.2002	5'3''	जलान्दरा	मामोडिया	होदकास्या	कारगवाल	9413418475	जयपुर
अवन्तिका	MCA	Applo suppot engineer	22.2.99	5'5''	जलान्दरा	बबेरीवाल	सिरस्वा	देवतवाल	9214059174	फुलेरा
अंजली	BBA, MBA	--	6.8.2000	5'0''	सारड़ीवाल	होदकास्या	किरोड़ीवाल	मारवाल	9306102190	कुचामनसिटी
डॉ. सोम्या	MDS	Dental Surgon	24.4.97	5'4''	मारवाल	मारोठिया	पारमवाल	खोवाल	9424336403	इन्दौर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम "कुमावत इंडिया पत्रिका"

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिले तो क्या करें

'कुमावत इंडिया' पत्रिका प्रति माह 25 तारीख तक सदस्यों को डाक से भेजी जाती है। यदि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका माह के अंत तक आपको नहीं मिले तो कृपया अपने क्षेत्र के पोस्टमैन अथवा पोस्ट मास्टर से इसकी शिकायत करें तथा हमें सूचित करें जिससे आपको सम्बन्धित अंक की प्रति पुन: भेजी जा सके। यदि शिकायत पर कोई कार्यवाही न हो तो कृपया इसकी सूचना 'कुमावत इंडिया' पत्रिका कार्यालय को दें या व्हाट्सएप नं. 9414554322 पर अपना नाम, पता मय पिनकोड लिखकर मैसेज करें। जिससे पत्रिका स्तर से भी सम्बन्धित पोस्ट ऑफिस को शिकायत भेजी जा सके।

सूचना

आदरणीय समाजजनों से निवेदन है कि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशन हेतु सामाजिक गतिविधियों के समाचार, समाज प्रतिभाओं का विवरण व लेख आदि की जानकारी पत्रिका कार्यालय या व्हाट्सएप नं. 9414554322 या e-mailÑkumawatindiapatrika@gmail.com पर भिजवाने का कष्ट करें। सम्पादक मण्डल इन पर विचार करके इन्हें प्रकाशित कराने की कार्यवाही करेगा। आपसे निवेदन है कि प्रकाशनार्थ सामग्री मूल हो तथा पूर्व में कहीं प्रकाशित नहीं हुई हो।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सदस्यता समाप्ति सूचना

सदस्यता संख्या 5/1 से 5/40 तक के पांच वर्षीय सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी आदि) की पुण्य तिथि 1/8 पेज में मल्टीकलर में फोटो सहित, शुल्क 500 रुपए एक बारीय अथवा 4000 रु. जमा कराकर 10 वर्ष तक प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

पता बदलने तथा पत्रिका नहीं मिलने पर मो. 9414554322 पर नया पता पिन कोड सहित व्हाट्सएप करें।

-: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में नि:शुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।**

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया,मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल, 7/218, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9549656438
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
13. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
14. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
15. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

केवल महिलाओं के लिए

Hardik
beauty salon

21 सालों से कार्यरत

विशेषज्ञ : मेकअप, कराटिन, स्मूथनिंग, हेयर हाइलाइट्स, हेयर स्पा, बॉडी मसाज, थ्रेड, वैक्स , फेशियल और भी अन्य सेवाएं ब्रांडेड प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हुए इकोनॉमिक रेट्स पर उपलब्ध हैं।

संपर्क : 93515-76710

64, ग्रेटर कैलाश कॉलोनी, एपेक्स मॉल के पीछे, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर

TARKASHI
JEWELLERS
SINCE 1990 | JAIPUR

GOLD DIAMOND KUNDAN SILVER

10, J.DA. Shopping center, Bajaj Nagar, Jaipur
tarkashijewellers@gmail.com

Mahedra Singh
+91-9887419340

Prashant kumawat
+91-7737561581

श्रद्धेय अकिंचन जी ने कैंचीधाम में हनुमंत कथा की

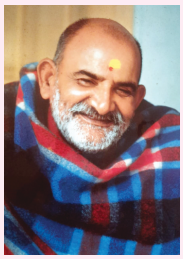

29 अगस्त से 4 सितम्बर, 2025 तक नैनीताल स्थित नीम करोली बाबा के कैंची धाम में श्रद्धेय श्री मुरली मनोहर जी अकिंचन के पावन सानिध्य में 7 दिवसीय ''हनुमंत चरित्र कथा'' रस का प्रवाह किया गया। जिसमें जयपुर एवं राजस्थान के अनेक जिलों से तथा दिल्ली, हरियाणा तथा उत्तराखण्ड से लगभग 200 लोगों ने भाग लिया। हरिनाम संकीर्तन परिवार के द्वारा श्रद्धालुओं के खाने-पीने तथा ठहरने की उचित व्यवस्था की गई तथा सातों दिन श्रद्धालुओं ने श्रद्धेय अकिंचन जी महाराज के श्रीमुख से प्रवाहित विस्तृत हनुमंत कथा रस का बड़ी ही श्रद्धा से आनन्द लिया।

प्रतिदिन कथा होने के बाद श्रद्धालुगणों ने आसपास स्थित अनेक धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों का अवलोकन का लाभ भी लिया।

वैवाहिक

Dr. SOMYA KUMAWAT

Personal details:

D.O.B : 24th April 1997
Birth place : Jaipur
Height : 5'3" **Time** : 10.08 AM
Education : BDS (Mahatma Gandhi Dental college, Jaipur)
MDS (Jaipur Dental College, Jaipur)
Occupation : Dental Surgeon (currently working at Thaper Dental Clinic, Jaipur)

Family details:

Gotra : **Self**-Marwal **Mother**-Marothia
Dadi - Paaramwal **Nani** - Khowal
Father : Dr. Suresh Kumar Verma (MBBS, MD (medicine)
Principal Specialist, CHC, Srimadhopur, (sikar) Rajasthan
Mother : Mrs. Usha Kumawat (Home maker)
Siblings : Brother - Mr.Mehul Kumawat MBBS (final year) in JLN medical college, Ajmer
Expectations : Dentist, PG medical, Engineer, Administrative officer

Contact details :

Nana : P.D. Verma (Retd.C.T.O) 9414386403 / 6375211358
Mother : Usha Kumawat 9414982324
Address : Resident of Jaipur.

विज्ञापन

गौरी पवन
को
IIT रूड़की से B. Arch.
की उपाधि मिलने पर

लक्ष्य पवन
को
IIT रूड़की से B.Tech. (Mech. Engg.)
की उपाधि मिलने पर

हार्दिक बधाई

शुभेच्छु :
स्व. श्री रतनलाल (Retd. XEN.) - श्रीमति सावित्री वर्मा (दादाजी-दादीजी)
श्री पवन (XEN.) - श्रीमति आरती पवन (पिताजी-माताजी)
श्रीमति प्रीति - श्री विजय कुमावत (Retd. XEN.) (बुआजी-फूफाजी)
श्रीमति प्रतिभा - श्री योगेश वर्मा (A.G.M., Rajasthan Patrika) (बुआजी-फूफाजी)
श्री रामस्वरूप - श्रीमति सुमित्रा राजोरिया (नानाजी-नानीजी)
श्री दीपक - श्रीमति आशा राजोरिया (मामाजी-मामीजी)
श्रीमति पूजा - श्री विजय कुमावत (मौसीजी-मौसाजी)
एवं समस्त परिवारगण। निवास: 8/412, विद्याधर नगर, जयपुर Mob. 9460761220

विज्ञापन

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.)

कार्यालय-ई-259, ज्योति नगर, पानी की टंकी के सामने, जयपुर

रामेश्वर बम्बोरिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा

जयपुर शहर इकाई की समस्त कार्यकारिणी द्वारा 17 अगस्त 2025 को शपथग्रहण करने पर हार्दिक बधाई

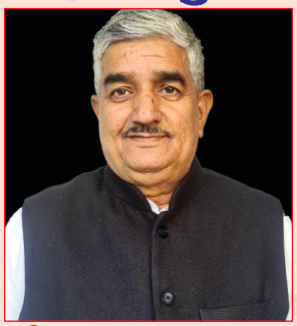

विमल कुमावत
मुख्य सलाहकार एवं उच्चाधिकारी समिति, राष्ट्रीय अध्यक्ष

शुभेच्छु : समस्त कार्यकर्ता, सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.), जयपुर शहर

अध्यक्ष
धनराज अनावड़िया
9314023817

महिला मोर्चा अध्यक्ष, जयपुर शहर
सीमा अजमेरा
9649900108

उपाध्यक्ष
रामकरण भौरोंदिया
9314873303

उपाध्यक्ष
अशोक दोराया
9928135539

महामंत्री
राजसिंह भदानिया
94142387799

वरिष्ठ उपाध्यक्ष
घनश्याम बैरा
9928342188

कोषाध्यक्ष
गौरीशंकर मारवाल
9829599631

मंत्री
अशोक खोवाल
9928115583

मंत्री
संतोष जालवाल
93140200009

संगठन एवं प्रचार मंत्री
विजय गोठवाल
7014546204

सांस्कृतिक मंत्री
ताराचंद देतवाल
9828019288

कानून मंत्री
महेन्द्र बगराणिया
8432868117

राजनैतिक चेतना मंत्री
भगतराज घोड़ेला
7976950835

कार्यकारिणी सदस्य
गोपाल खण्डारिया
9928315876

कार्यकारिणी सदस्य
लक्ष्मी देवतवाल
7891441594

कार्यकारिणी सदस्य
अशोक कुमार खंडारिया
6350061062

Director
Mukesh Kumawat
93146-07695

Managing Director
C.M. Kumawat
98290-56063

Director
Lokesh Kumawat
97837-83123

CMT ARTS INDIA PVT LTD.

MANUFACTURER, EXPORTER, IMPORTER & WHOLESALER OF
All kind of : HANDICRAFT, GIFT AND SOUVENIR

Since 1976

Speciality :
1. Cedar Wood/ Kadamba wood with fine carving and half antique.
2. Sandalwood artifacts 3. Brass metal with turquoise work and Antique finish
4. Marble with painted & embossed art 5. Cultured marble 6. Soft stone 7. Miniature Art

Showroom :
"Sai-Villa", Plot No. 39, Mission Compound,
C-Scheme, Near Ajmer Puliya (Bridge)
Jaipur 302 001 (Raj.) Tel: +91-141-4041561

Residence :
F-31/A, Lal Bhadhur Nagar (W),
S.L. Marg, Main Road, Durgapura,
Tonk Road, Jaipur - 302018 (Raj.)

Email: cmtartsindia@gmail.com

Website : www.sandalwood.cn.com

SP CONSTRUCTION

Building INDIA'S Construction

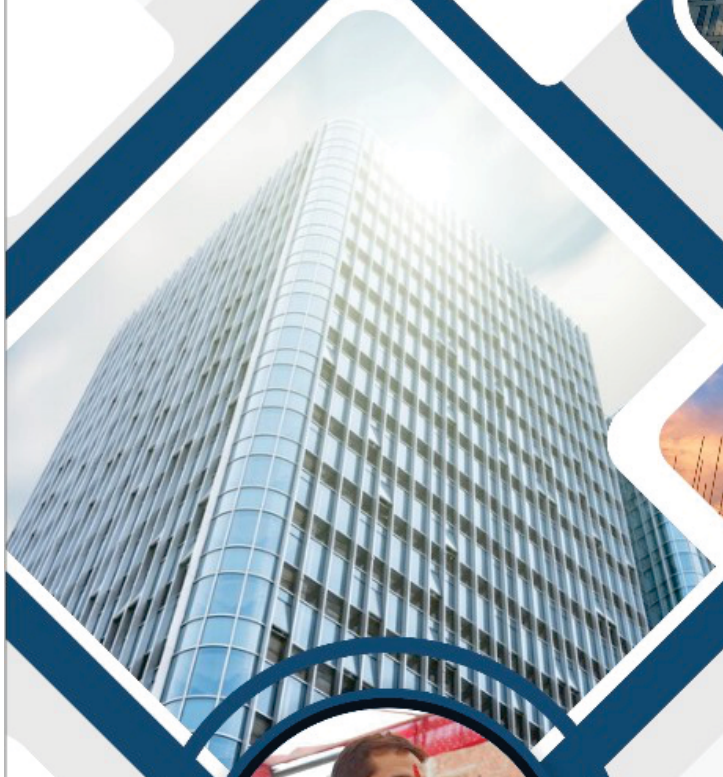

SHASHI PAL KUMAWAT

B-34, Devi Chiranjivi Colony, Surya Nagar, Gopal Pura Bye Pass, Jaipur 302015

Web: spconst.co.in E-Mail: info@spconst.co.in

ADMISSION OPEN

Vijay Anand
International Academy

**Vill. AkedaChoud, Via-Jahota. Tah. Rampura Dabri,
Distt. Jaipur (Raj) - 303701 Call 9460852525**

Special Features

1. 100% Result
2. Centrally Air Cooled School
3. Vehicle Facility
4. Smart Classrooms
5. Highly Educated Teachers
6. International Level Syllabus
7. Worldwide Education Approaches at Home
8. Computer Coding and Programming
9. Separate Labs for Primary, Middle and Higher Classes

Nursery to X
(English Medium)

Your child deserve the Best Education

CCTV SURVEILLANCE 24X7

Director
Deendayal Kumawat

Co-ordinator
Monika Kumawat
(M.Com., B.Ed.)

Principal
Anita Chejara
(M.A., B.Ed.)

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018